दिव्य आकाश

सफलता के 16 वर्ष पूर्ण 16th दिव्य आकाश

असतो मा सद्गमय

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष 17, अंक-03 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 24 से 30 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य रू. 3.00/-

सुविचार
सपने वो हैं जहां पर आपकी इच्छाशक्ति और मेहनत दोनों उस कार्य को पूरा करने में लग जाते हैं।

अमेरिकी अधिकारियों से बिना मिले लौटे ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शनिवार शाम इस्लामाबाद से अमेरिकी अधिकारियों से बिना मिले ही लौट गए। उन्होंने अपने दौरे के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आर्मी चीफ आसिम मुनीर और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की।

अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर शनिवार को इस्लामाबाद पहुंचने वाले थे। लेकिन अराघची उनसे मिले बिना ही रवाना हो गए। रवाना होते वक्त पाकिस्तानी अधिकारियों ने उन्हें एयरपोर्ट पर विदाई दी।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने पाकिस्तान को ईरान की शर्तें और अमेरिकी मांगों पर अपनी आपत्तियां भी सौंप दी हैं। ईरान ने अमेरिका से सीधे बातचीत करने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने कहा कि ईरान अपनी बात पाकिस्तान के जरिए ही अमेरिका तक पहुंचाएगा।

ईरान सुप्रीम लीडर मोजतबा, अमेरिका-इजराइल से बचने के लिए चला रहे 'सीक्रेट नेटवर्क'

तेहरान, एजेंसी।

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को लेकर एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, वे सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आ रहे हैं और बेहद गुप्त तरीके से देश का संचालन कर रहे हैं। बताया गया है कि अली खामेनेई की मौत के बाद सत्ता संभालने वाले मोजतबा खामेनेई ने अपनी सुरक्षा को लेकर अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। कहा जा रहा है कि वे किसी भी तरह की ट्रैकिंग से बचने के लिए आधुनिक तकनीक की बजाय पुराने तरीके अपना रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके संदेश 'हाथ से लिखे पत्रों' के जरिए भेजे जाते हैं।

ये पत्र एक 'ह्यूमन चेन' के माध्यम से भरोसेमंद लोगों द्वारा एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाए जाते हैं, ताकि अमेरिका और इजरायल उनकी लोकेशन ट्रैक न कर सकें। यह भी दावा किया गया है कि हालिया हमलों में खामेनेई गंभीर रूप से घायल हुए थे। उनके पैर और हाथ की कई सर्जरी हुई है और चेहरे पर भी चोट आई है, जिससे बोलने में दिक्कत हो रही है। हालांकि, कहा गया है कि वे मानसिक रूप से पूरी तरह सक्रिय हैं और फैसले ले रहे हैं। ईरानी सरकार की ओर से इन दावों को 'दुश्मन की साजिश' बताया गया है और कहा गया है।

बस्तर कैडर के 47 नक्सलियों का तेलंगाना में सरेंडर

1.5 करोड़ के इनामी, गोला बारूद, हथियार साथ लाए, DKSZCM, DVCM, ACM रैंक के नक्सली शामिल

जगदलपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य तेलंगाना में साउथ बस्तर से जुड़े 47 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया है। इनमें DKSZCM, DVCM, ACM और PM जैसे कैडर्स शामिल हैं। सभी ने 32 हथियार, बड़ी मात्रा में गोला बारूद के साथ आत्मसमर्पण किया। ये सभी नक्सली बस्तर के अलग-अलग इलाकों में सक्रिय थे। सभी पर 1 करोड़ 50 लाख का इनाम घोषित था।

सरेंडर करने वालों में DKSZCM (दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी) के सदस्य और साउथ बस्तर DVC के इंचार्ज हेमला इथु उर्फ विज्जा भी शामिल है। इसके अलावा 9वीं प्लाटून के कमांडर पोडियम लच्छु उर्फ मनोज जैसे सक्रिय कैडर भी सरेंडर करने वालों में शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, ये सभी नक्सली तेलंगाना सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित हुए। साथ ही दोनों राज्यों की पुलिस के लगातार ऑपरेशन और दबाव के चलते इन्होंने मुख्यधारा में लौटने का फैसला लिया।

32 हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

सरेंडर के दौरान नक्सलियों ने कुल 32 हथियार भी जमा किए हैं। इनमें 1 LMG, 4 AK-47, 3 SLR, 2 इंसास राइफल, 2 मस्कट, 1 BGL गन, 2 एयर गन, 1 पिस्टल, 1 रिवॉल्वर और 12 नग सिंगल शॉट गन शामिल है। इसके अलावा 515 जिंदा कारतूस भी जमा किए गए।

कैडर स्ट्रक्चर में बड़ा हिस्सा शामिल

सरेंडर करने वालों में अलग-अलग स्तर के कैडर शामिल हैं। इनमें शीर्ष स्तर के सदस्य से लेकर प्लाटून स्तर तक के नक्सली शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक कुल 47 में से 28 सदस्य DKSZCM से और 15 सदस्य 9वीं और 30वीं प्लाटून से जुड़े थे।

तेलंगाना पुलिस का कहना है कि इस सरेंडर के बाद साउथ बस्तर DVC और DKSZCM को बड़ा झटका लगा है।

संगठन के कई प्रमुख नेता और कैडर अब बाहर हो चुके हैं। कुछ छिटपुट नक्सली ही बचे हैं।

पुलिस की रणनीति का असर

तेलंगाना पुलिस ने बताया कि लगातार ऑपरेशन, इंटेलिजेंस इनपुट और ग्राउंड पर मजबूत पकड़ के चलते यह सफलता मिली है। साथ ही सरेंडर करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास योजना के तहत मदद दी जाएगी, ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें। छत्तीसगढ़ सरकार ने भी सरेंडर नक्सलियों के लिए कई बड़ी पहल और पुनर्वास नीति बनाई है, जिससे ये मुख्यधारा में आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जापान के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट : निवेश, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक विस्तार को लेकर उत्साहित

रायपुर (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास और तकनीकी सहयोग के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर अपने जापान प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार की उद्योगोन्मुखी और निवेश प्रोत्साहनकारी नीतियों के कारण छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जापान तकनीकी दृष्टि से अग्रणी देश है और वहां की उन्नत विशेषज्ञता का लाभ छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के निवेश और सहयोग से प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में निवेश के लिए अनुकूल और पारदर्शी वातावरण तैयार हुआ है, जिससे उद्योगों के विस्तार के लिए बेहतर संभावनाएं उपलब्ध हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में अपने निवेश को और बढ़ाने की इच्छा भी व्यक्त की।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, एफसेनल के डायरेक्टर युकीहिरो मोमोसे, कोनोइके ट्रांसपोर्ट के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर तोशीहीरो फूजीवारा, एफएसएनएल के मैनेजिंग डायरेक्टर सुनील कुमार दीक्षित तथा हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के पूर्व सीएमडी के. डी. दीवान उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने हजयात्रियों को दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा शनिवार को राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हज यात्रियों को फर्स्टएड किट सौंपकर उनकी सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि रायगढ़ से सांसद रहने के समय से लेकर आज तक लगातार हज यात्रियों के स्वागत का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदेश से कुल 815 हज यात्री यात्रा पर जा रहे हैं।

कॉन्स्टेबल की पत्नी-बेटे को 32 बार चाकू गोदकर मारा
घर आई युवती ने पहले खाना खाया, फिर किया वार

दुर्ग-भिलाई, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में युवती ने घर घुसकर आरक्षक की पत्नी और उसके 9 साल के बेटे की चाकू मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने महिला पर 18 और सो रहे बच्चे पर चाकू से 14 वार किए। मामला सुपेला थाना क्षेत्र के STF कॉलोनी का है। इस हमले में 2 बेटियां गंभीर रूप से घायल हुई हैं। एक बेटी ने बाथरूम में छिपकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के मुताबिक, आरक्षक ललितेश यादव STF में आरक्षक हैं और वर्तमान में बीजापुर में पदस्थ हैं। उसका युवती से अफेयर था। घटना के समय वह घर पर मौजूद नहीं था। ललितेश ने अपने बयान में बताया कि युवती से वह अटैच था, युवती उससे शादी करने की जिद कर रही थी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी सरोजनी भारद्वाज को गिरफ्तार कर लिया है।

पति घर पर नहीं था, तभी किया हमला

आरक्षक ललितेश 15 दिन की छुट्टी पर दुर्ग आया हुआ था। शनिवार (25 अप्रैल) सुबह घर पर पत्नी रीना यादव, एक बेटी तानिया (11), दूसरी बेटी नैना (12) और 9 साल का बेटा आदित्य घर पर मौजूद थे। पति रेलवे स्टेशन गया था।

पत्नी ने कॉल कर महिला के बारे में जानकारी दी

पति ने कहा कि, कल हमारी मैरिज एनिवर्सरी थी। फैमिली को यूपी भेजना था, जिसके लिए शनिवार सुबह वह रिजर्वेशन कराने गया था। इस दौरान युवती उसके घर पहुंची थी।

मजदूरों के हक में गूंजा न्याय, RCWF ने सेंट्रल ट्रिब्यूनल में जीती दो बड़ी कानूनी लड़ाइयाँ

चिरमिरी कोलियरी के श्रमिकों को मिलेगा 6% ब्याज के साथ एरियर और पदोन्नति का लाभ

कोरबा/चिरमिरी (दिव्य आकाश)।

राष्ट्रीय कालरी वर्कर्स फेडरेशन (RCWF) ने श्रमिकों के हितों की रक्षा करते हुए केंद्रीय औद्योगिक अधिकरण (Central Industrial Tribunal) से दो महत्वपूर्ण मामलों में ऐतिहासिक जीत हासिल की है। ट्रिब्यूनल ने प्रबंधन की गलतियों को सुधारते हुए श्रमिकों के पक्ष में फैसला सुनाया है और उन्हें बकाया राशि पर 6% ब्याज भुगतान करने का आदेश दिया है ।

प्रमुख मामले और ट्रिब्यूनल का फैसला

मोहम्मद जमील:- 32 साल बाद मिला ऑफिशिएटिंग अलाउंस का हक।

पृष्ठभूमि:- मोहम्मद जमील की नियुक्ति 1994 में कैटेगरी -1 में हुई थी, लेकिन उनसे क्लर्क ग्रेड का POL इश्यूअर कार्य लिया गया। प्रबंधन ने लंबे समय तक उन्हें उचित भत्ता नहीं दिया और मांग करने पर उनका स्थानांतरण कर दिया गया।

फैसला:- ट्रिब्यूनल ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद यह माना कि मो. जमील ऑफिशिएटिंग अलाउंस के हकदार हैं। कोर्ट ने आदेश दिया है कि उन्हें पूरी कार्य अवधि का भत्ता 6% वार्षिक ब्याज के साथ भुगतान किया जाए ।

जे.पी. वर्मा:- 39 साल पुराने 'कैडर स्कीम' विवाद पर जीत

पृष्ठभूमि: फार्मासिस्ट जे.पी. वर्मा के मामले में प्रबंधन की प्रशासनिक देरी (कैडर स्कीम 1987 को चिरमिरी एरिया में 1989 में लागू करना) की वजह से उनकी वरिष्ठता प्रभावित हुई थी जिससे वे पदोन्नति में पिछड़ गए थे ।

फैसला:- ट्रिब्यूनल ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आदेश दिया कि वर्मा को पिछली तारीखों से सभी पदोन्नतियों का लाभ दिया जाए और उनके वेतन का पुन: निर्धारण कर 6% ब्याज सहित एरियर का भुगतान किया जाए ।

यूनियन की प्रतिबद्धता

RCWF के महामंत्री प्रो. भागवत प्रसाद दुबे ने स्वयं इन मामलों में स्टेटमेंट ऑफ क्लेम तैयार किया और पैरवी की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा:- यह केवल दो श्रमिकों की जीत नहीं है बल्कि उन सभी कामगारों की जीत है, जो प्रबंधन की विसंगतियों के कारण अपने हक से वंचित रह जाते हैं। चूँकि प्रबंधन के साथ वार्ता प्रणाली (IR System) फिलहाल बाधित है, इसलिए यूनियन पूरी ताकत के साथ कन्सीलिएशन मशीनरी और ट्रिब्यूनल के माध्यम से लड़ाई लड़ रही है ।

कोरबा में बैंक कर्मी की सड़क हादसे में मौत

कोरबा/उरगा (दिव्य आकाश)।

कोरबा के उरगा गुमिया के पास भारतमाला मुख्य मार्ग पर शुक्रवार देर रात एक सड़क हादसे में आईसीआईसीआई बैंक के एक कर्मचारी की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार मवेशी से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा भिड़ी थी। घायल चालक को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां शनिवार को उसकी मौत की पुष्टि हुई। मृतक की पहचान कोरबा पुरानी बस्ती, दुरपा रोड निवासी प्रज्वल राठौर (26) के रूप में हुई है। वह आईसीआईसीआई बैंक में कार्यरत थे और मूल रूप से सक्ती के पासिद (सुआ डेरा) के रहने वाले थे, जो पिछले कई सालों से कोरबा में रह रहे थे।

अचानक मवेशी के आने से हुआ हादसा

बताया जा रहा है कि प्रज्वल कोरबा से रायपुर किसी परिचित को देखने हॉस्पिटल जा रहे थे। भारतमाला मार्ग पर अचानक एक मवेशी सामने आ गया, जिससे यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मवेशी की भी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार के एयरबैग खुल गए थे।

सिविल लाइन थाना पुलिस ने अस्पताल से मिले मेमो के आधार पर परिजनों के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस ने आगे की कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

कोरबा पहुंचीं बॉलीवुड अभिनेत्री मंदाकिनी अखबार वितरक संघ ने किया भव्य स्वागत

कोरबा (दिव्य आकाश)।

बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री मंदाकिनी रविवार 19 अप्रैल को कोरबा पहुंचीं। वे कोरबा के मड़वारानी स्थित नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल के 10वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने कोरबा पहुंची थीं। रात्रि विश्राम उन्होंने कोरबा के होटल जश्न रिसोर्ट में किया था।

उनके आगमन को लेकर शहर में खासा उत्साह देखने को मिला। एक दौर में अपनी अदाकारी और स्टारडम से लाखों दिलों पर राज करने वाली मंदाकिनी को करीब से देखने और मिलने के लिए उनके प्रशंसक काफी उत्साहित नजर आए।

अभिनेत्री मंदाकिनी की वर्ष 1985 में आई सुपरहिट फिल्म राम तेरी गंगा मैली से जबरदस्त पहचान मिली थी। इस फिल्म ने उन्हें न सिर्फ भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोकप्रियता दिलाई। आज भी उनके चाहने वालों की कमी नहीं है और उनके कोरबा आगमन ने पुराने दौर की यादें ताजा कर दीं।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के सदस्य भी लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा के स्थापना दिवस समारोह में पहुंचे थे, जहां उनके द्वारा मंदाकिनी का स्वागत किया गया। संघ के पदाधिकारियों ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया और उनके आगमन पर खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने मंदाकिनी की एक झलक पाने के लिए उत्साह दिखाया।

कार्यक्रम में संघ के जिला अध्यक्ष विपेंद्र कुमार साहू, जिला सचिव जय सिंह नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, मीडिया प्रभारी रामायण सिंह (रामा), दिलीप यादव, राय सिंह, तपेश्वर राठौर, अनिल गिरी और राजकुमार पटेल सहित कई सदस्य मौजूद रहे। सभी ने अभिनेत्री का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके फिल्मी सफर की सराहना की।

इस दौरान मंदाकिनी ने भी आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कोरबा जैसे शहर में मिलने वाले स्नेह को अपने लिए विशेष बताया। उन्होंने कहा कि दर्शकों का प्यार ही कलाकार की असली पूंजी होती है और इतने वर्षों बाद भी लोगों का यह स्नेह उनके लिए बेहद भावुक करने वाला है।

कार्यक्रम के दौरान प्रशंसकों ने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं और ऑटोग्राफ भी लिए। पूरे आयोजन में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। कोरबा में इस तरह की फिल्मी हस्ती का आगमन शहरवासियों के लिए एक यादगार अवसर बन गया।

शहर में सकारात्मक माहौल रहा और लोगों ने इसे सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण पहल बताया। आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे शहर के लोगों को बड़े कलाकारों से जुड़ने का अवसर मिल सके।

बदमाशों ने चलती कार पर पथराव किया, युवती की आंख में गंभीर चोट

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के भारतमाला मार्ग पर लूट की कोशिश का मामला सामने आया है। बदमाशों ने एक चलती कार पर पथराव कर दिया, जिसमें कार सवार एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। युवती की आंख में गंभीर चोट आई है। घटना उरगा थाना क्षेत्र के बलौदा-तरदा मार्ग की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, कार में सवार लोग भारतमाला सड़क से गुजर रहे थे, तभी तीन से पांच बदमाशों ने अचानक कार पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। एक बड़ा पत्थर कार के शीशे से टकराकर अंदर बैठी युवती की आंख में जा लगा, जिससे उसे गंभीर चोट आई।

कॉर्निया क्षतिग्रस्त, हालत चिंताजनक

घायल युवती को तुरंत कोरबा के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां शुरूआती इलाज के बाद डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि आंख में गंभीर चोट के कारण कॉर्निया क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

ड्राइवर की सूझबूझ से टली बड़ी वारदात

हमले के दौरान कार चालक ने हिम्मत और सूझबूझ दिखाते हुए वाहन नहीं रोका और सीधे मौके से निकल गया। इससे कार में सवार अन्य लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और संभावित लूट की बड़ी वारदात टल गई।

परिवार के साथ सफर कर रही थी युवती

घायल युवती की पहचान मेघा सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि कार में उनके पति सुरजीत सिंह, सास विमला सिंह और बेटी निष्ठा सिंह भी सवार थे। घटना के बाद परिवार सीधे अस्पताल पहुंचा, जहां मेघा सिंह का इलाज शुरू किया गया।

पुलिस ने बढ़ाई गश्त

बताया जा रहा है कि घायल युवती, कोरबा सीएसपी के रीडर की रिश्तेदार हैं। जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने उरगा क्षेत्र में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में निजी अस्पताल प्रबंधन ने सीएसईबी चौकी पुलिस को मेमो सौंपा है। पुलिस अब पीड़ित पक्ष का बयान दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी।

18 घंटे में ज्वेलरी चोरी का खुलासा

अंतर्राज्यीय गिरोह के 5 सदस्य गिरफ्तार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा पुलिस ने ज्वेलरी दुकान में हुई चोरी की वारदात का महज 18 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस मामले में एक अंतर्राज्यीय गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 03 महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का सोना और वारदात में इस्तेमाल की गई कार जब्त की है।

यह घटना 24 अप्रैल को सिविल लाइन रामपुर थाना क्षेत्र में हुई थी। दोपहर करीब 12:15 बजे तीन महिलाएं ग्राहक बनकर एक ज्वेलरी दुकान में पहुंचीं। ज्वेलरी देखने के बहाने उन्होंने दुकानदार का ध्यान भटकाया और मौका मिलते ही सोने के जेवर चोरी कर फरार हो गईं।

कई राज्यों में दे चुके हैं वारदात

दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में उनकी पूरी हरकत कैद हो गई, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह अलग-अलग राज्यों में इसी तरह चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। गिरफ्तार महिलाओं में से दो पहले भी कोलकाता में चोरी के मामलों में जेल जा चुकी हैं।

सास, बहू और दामाद भी शामिल

कोरबा में वारदात के बाद आरोपी संबलपुर (ओडिशा) में अगली चोरी

की योजना बना रहे थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों में सास, बहू और दामाद भी शामिल हैं।

4.50 लाख का सोना बरामद

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए दो सोने के चेन और एक सोने का लॉकेट बरामद किया गया है। इनकी कुल कीमत करीब 4.50 लाख रुपए बताई जा रही है। वारदात में इस्तेमाल की गई XUV300 कार भी जब्त कर ली गई है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान:

नासिर मोल्ला (41)
सजना बीबी (40)
मिथुन चक्रवर्ती (38)
तापसी दास (38)
गुलापी दास (55)

ये सभी पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं। पुलिस अब गिरोह से अन्य राज्यों में हुई चोरी की वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है।

कानूनी कार्यवाही - प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध धारा 305(A) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

इस तरह देते थे अपराध को अंजाम

आरोपीगण द्वारा सुनियोजित तरीके से गिरोह बनाकर वारदात को अंजाम दिया जाता था। गिरोह की महिलाएं ग्राहक बनकर ज्वेलरी दुकान में प्रवेश करती थीं और आभूषण देखने के दौरान दुकानदार/कर्मचारियों का ध्यान भटकाती थीं, जबकि उनके साथी मौके का फायदा उठाकर आभूषण चुपचाप अपने कब्जे में लेकर निकल जाते थे। वारदात के तुरंत बाद आरोपीगण वाहन से तेजी से स्थान बदलकर दूसरे शहर/राज्य की ओर निकल जाते थे, जिससे उनकी पहचान एवं गिरफ्तारी कठिन हो सके।

कई अन्य मामलों का खुलासा

पुलिस पूछताछ में यह तथ्य सामने आया है कि ये गिरोह पश्चिम बंगाल के राणाघाट, मालदा एवं सिलीगुड़ी क्षेत्र में भी इसी प्रकार की वारदातें कर चुका है तथा छत्तीसगढ़ के अन्य बड़े शहर इनके टारगेट में थे। अन्य मामलों में पूछताछ जारी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार कई अन्य मामलों का खुलासा हो सकेगा।

भाजपा की प्रेस कांफ्रेंस:महिलाओं को राजनीति में अवसर नहीं देना चाहती कांग्रेस

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा में शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा नेताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर कांग्रेस और विपक्ष पर तीखा हमला किया। नेताओं ने कहा- इस कानून का विरोध करना महिला विरोधी सोच दिखाता है। उनके अनुसार यह कानून महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की दिशा में बड़ा कदम है।

भाजपा ने कहा कि पार्टी 'राष्ट्र प्रथम' और 'राष्ट्र सेवा' की भावना से काम करती है। यह विधेयक महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लाया गया, मगर विपक्ष ने महिला सशक्तिकरण में बाधा डालने की प्रवृत्ति दिखाई। भाजपा ने कांग्रेस पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

भाजपा नेताओं ने कहा-कांग्रेस आम महिलाओं को राजनीति में अवसर नहीं देना चाहती। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्री लखनलाल देवांगन, जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, विधायक प्रेमचंद पटेल, महापौर संजूदेवी राजपूत, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री संतोषी दीवान, जिलाध्यक्ष प्रीति स्वर्णकार, डॉ. राजीव सिंह सहित कई नेता मौजूद रहे।

जयसिंह अग्रवाल के आरोपों से बढ़ी सियासत

कुछ दिन पहले कांग्रेस कार्यालय में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने मंत्री लखनलाल देवांगन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि मंत्री के परिजन कोहड़िया में चेंबर चलाकर रेत, राखड़, कोयला ठेके से जुड़ी वसूली करते हैं।

देवांगन का पलटवार, निजी आरोपों पर नाराजगी

मंत्री लखनलाल देवांगन ने आरोपों को लेकर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुद्दों से भटक चुकी है और निजी आरोपों पर उतर आई है।

हमने कभी परिवार पर आरोप नहीं लगाए

लखनलाल देवांगन ने कहा, 'हमने कभी किसी के परिवार पर आरोप नहीं लगाए।' उन्होंने यह भी कहा कि जनता सच्चाई जानती है और पूर्व मंत्री अपने कार्यकाल जैसा माहौल समझ रहे हैं। साथ ही मीडिया से जयसिंह अग्रवाल के 'शीश महल' को देखने की अपील की।

अवैध रेत:दो ध्रुवों के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का बड़ा मुद्दा

जयसिंह अग्रवाल आए दिन मंत्री लखनलाल देवांगन पर हमलावर हो रहे हैं। बालको की एक सभा में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने मंत्री लखनलाल देवांगन पर बालको में रेत कारोबार करने का आरोप लगाया था, उसके बाद पत्रकारों को जवाब देते हुए लखनलाल देवांगन ने कहा था-न मोर सो टेक्टर हावे, न ट्रक, मुड़ म रेत तस्करी करथों का? ठेकेदारी ओ करता है और आरोप मेरे ऊपर! इसके बाद सोमवार 20 अप्रैल को जयसिंह अग्रवाल ने फिर मंत्री पर हमला बोला और कहा कि रेत तस्करी कब और कैसे होती है, कौन करा रहा है, इसका सबूत मेरे पास है। झोपड़ी में रहता हूं, कह कर जनता को गुमराह करता है और उसके काले कारनामे चल रहे हैं। अवैध रेत की वसूली, अवैध कोयला की वसूली का अड्डा बन गया है मंत्री का गुप्त चेम्बर, जहां पर उसके भाई-भतीजे एवं ओएसडी अवैध वसूली कर रहे हैं और मंत्री अपने आपको ईमानदार जनप्रतिनिधि बताता है।

प्रेसवार्ता:कांग्रेस महिला आरक्षण का विरोधी नहीं, 2023 के ड्राफ्ट को लागू करे भाजपा, देश को कर रही गुमराह-जयसिंह अग्रवाल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

महिला आरक्षण बिल पर कांग्रेस का पक्ष रखने सोमवार शाम 4.30 बजे अपने कार्यालय में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल प्रेसवार्ता रखी थी, जिसमें उन्होंने बिल पास न होने पर भाजपा द्वारा देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। यह बिल 2023 में ही पास हो चुका है और भाजपा जानबुझकर देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस बिल को टालना चाह रही है और जनगणना के बाद इसे अमल में लाने की बात की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी देश के 5 राज्यों में हो रहे चुनाव में लाभ की नियत से यह बिल लोकसभा में लाए हैं। भाजपा को कौन रोका है? वे पुराने ड्राफ्ट लेकर आएं, सभी दल महिला आरक्षण बिल का पूर्ण समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी भी महिला आरक्षण बिल का विरोधी नहीं है, न रहेगी। उन्होंने कहा कि देश की महिला राष्ट्रपति कांग्रेस से, देश की पहली महिला प्रधानमंत्री कांग्रेस से, देश की प्रथम राज्यपाल कांग्रेस से, कांग्रेस महिला विरोधी कभी नहीं रही और महिला को आगे बढ़ाने शुरू से ही कांग्रेस की पालिसी रही।

मंत्री लखनलाल देवांगन पर फिर हमला, कहा-झोपड़ी में रहने की कहता है बात, उसके घर में भाई-भतीजा एवं ओएसडी का चेम्बर, जहां होती है अवैध वसूली

वहीं उन्होंने एक बार फिर मंत्री देवांगन पर कड़ा प्रहार किया और कहा-झोपड़ी रहने की बात करने वाले मंत्री लखनलाल देवांगन का घर जा कर देखिए, झोपड़ी है या अंदर से कुछ और? उसके घर में भाई-भतीजा, ओएसडी का अलग-अलग चेम्बर बना है, जहां पर रेत, कोयला की अवैध वसूली होती है।

जयसिंह अग्रवाल ने आरोप लगाया कि रेत की कहां-कहां सप्लाई हो रही है, यह सब जनता जानती है और मैं खुलेआम फिर बोल रहा हूं कि बालको, अडाणी के सार्वजनिक प्रतिष्ठानों सहित कई जगहों पर मंत्री द्वारा रेत सप्लाई की जा रही है और पूरे जिले में रेत की अवैध तस्करी मंत्री के संरक्षण में हो रही है।

उन्होंने कहा कि ठेकेदारी मेरे परिवार के जीवकोपार्जन का साधन है। चुनाव लड़ने से पहले मैं भी ठेकेदारी करता था, लेकिन अब मेरे परिवार के लोग ठेकेदारी करते हैं, इसमें गलत क्या है? उन्होंने प्रशासन की प्रशंसा की और कहा कि प्रशासन अच्छा चल रहा है, लेकिन रेत और कोयला तस्करी के साथ-साथ कबाड़ भी खुलेआम चल रहा है। जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि मैंने कभी न तो रेत तस्करी की, न कोयले का अवैध कारोबार किया, लेकिन अभी रेत और कोयला तस्करी किसके संरक्षण में चल रहा है।

इसके पूर्व भी बालको में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए जयसिंह अग्रवाल ने सार्वजनिक मंच से कहा था-यहां का मंत्री और विधायक बालको, अडाणी सहित अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में रेत आपूर्ति करता है, वह भी अवैध?

सुविचार जिस दिन आप स्वयं से प्रेम करना सीख लेंगे, उस दिन से पूरी दुनिया अच्छी लगने लगेगी।

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 24 से 30 अप्रैल 2026

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) का 10वां स्थापना दिवस

कोरबा पहुंची फिल्म स्टार मंदाकिनी

सुन साहिबा सुन... प्यार की धुन... में बच्चों के साथ जमकर थिरकीं

कोरबा/मड़वारानी (दिव्य आकाश)।

19 अप्रैल को फिल्म स्टार मंदाकिनी कोरबा पहुंची। वे नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वाराकोरबा पहुंची मंदाकिनीःसुन साहिबा सुन... प्यार की धुन... में बच्चों के साथ जमकर थिरकीं

कोरबा। 19 अप्रैल को फिल्म स्टार मंदाकिनी कोरबा पहुंची। वे नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) के 10वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने कोरबा पहुंची थीं। उन्होंने समारोह में बच्चों के साथ फिल्म... राम तेरी गंगा मैली का सुपरहीट गाना सुन साहिबा सुन... प्यार की धुन... में जमकर थिरकती नजर आई। समारोह में जब विद्यालय की बालिका टीम ने स्टेज शो किया और सुन साहिबा सुन ... प्यार की धुन... में डांस किया, तो दर्शक दीर्घा की प्रथम पंक्ति में बैठी फिल्म स्टार मंदाकिनी के चेहरे पर अनायास मुस्कान बिखर गई और वह स्टेज में पहुंचकर बच्चों के साथ जमकर थिरकीं। हजारों की संख्या में बैठे लोगों ने जमकर तालियां बजाई। इसके साथ राम तेरी गंगा मैली के अन्य गानों पर भी मंदाकिनी ने परफार्मेंस दिया। कोरबा पहुंचने पर आयोजकों ने उनका भव्य स्वागत किया और उरगा के रास्ते खरहरकुड़ा स्थित विद्यालय पहुंचीं और शाम 5.00 बजे से 9.00 बजे तक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) के 10वें स्थापना दिवस समारोह में लायंस गौरव सम्मान समारोह का भी आयोजन था, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। लायंस पब्लिक स्कूल परिसर में अतिथियों द्वारा एनकेएम लायंस अनाथआलय एवं बाल विकास केंद्र का भी लोकार्पण किया।

दूसरे दिन प्रातः 6.00 बजे वे मुंबई के लिए रवाना हो गई। मंदाकिनी के पहुंचने पर उनके साथ फोटो सेशन कराने और सेल्फी लेने लोगों में काफी आतुरता दिख रही थी। 60 वर्ष होने के बाद भी उनके चेहरे में वही चमक और उनके चाहने वाले फैंस में कोई कमी नहीं आई। 1980-1990 के दशक में मंदाकिनी स्टारडम रहीं।0वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने कोरबा पहुंची थीं। उन्होंने समारोह में बच्चों के साथ फिल्म... राम तेरी गंगा मैली का सुपरहीट गाना सुन साहिबा सुन... प्यार की धुन... में जमकर थिरकती नजर आई। समारोह में जब विद्यालय की बालिका टीम ने स्टेज शो किया और सुन साहिबा सुन ... प्यार की धुन... में डांस किया, तो दर्शक दीर्घा की प्रथम पंक्ति में बैठी फिल्म स्टार मंदाकिनी के चेहरे पर अनायास मुस्कान बिखर गई और वह स्टेज में पहुंचकर बच्चों के साथ जमकर

थिरकीं। हजारों की संख्या में बैठे लोगों ने जमकर तालियां बजाई। इसके साथ राम तेरी गंगा मैली के अन्य गानों पर भी मंदाकिनी ने परफार्मेंस दिया। कोरबा पहुंचने पर आयोजकों ने उनका भव्य स्वागत किया और उरगा के रास्ते खरहरकुड़ा स्थित विद्यालय पहुंचीं और शाम 5.00 बजे से 9.00 बजे तक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) के 10वें स्थापना दिवस समारोह में लायंस गौरव सम्मान समारोह का भी आयोजन था, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। लायंस पब्लिक स्कूल परिसर में अतिथियों द्वारा एनकेएम लायंस अनाथआलय एवं बाल विकास केंद्र का भी लोकार्पण किया। दूसरे दिन प्रातः 6.00 बजे वे मुंबई के लिए रवाना हो गई। मंदाकिनी के पहुंचने पर उनके साथ फोटो सेशन कराने और सेल्फी लेने लोगों में काफी आतुरता दिख रही थी। 60 वर्ष होने के बाद भी उनके चेहरे में वही चमक और उनके चाहने वाले फैंस में कोई कमी नहीं आई। 1980-1990 के दशक में मंदाकिनी स्टारडम रहीं।

स्कैन करें और वीडियो देखें

लायंस गौरव सम्मान से सम्मानित हुईं प्रतिभाएं

गत 19 अप्रैल 2026 को मशहुर फिल्म अभिनेत्री मंदाकिनी की उपस्थिति में माँ मड़वारानी में विगत 10 वर्षो से संचालित सीबीएसई मान्यता प्राप्त विद्यालय एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल के 10वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती रेणुका राठिया (सदस्य जिला पंचायत जिला कोरबा), हितानंद अग्रवाल (एमआईसी सदस्य), श्रीमती गायत्री कंवर (उपाध्यक्ष, न.पा.परिषद बांकीमोंगरा), पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी (प्रथम वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर) एवं पीएमजेएफ लायन पवन मलिक (द्वितीय वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर) उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के चेयरमेन एवं पूर्व प्रान्तपाल पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने की।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा लायंस पब्लिक स्कूल ट्रस्ट द्वारा संचालित एनकेएम लायंस अनाथालय एवं बाल विकास केन्द्र का विधिवत् लोकार्पण किया गया। जहां ट्रस्ट द्वारा 6 से 10 वर्ष के अनाथ लड़कों की शिक्षा, भोजन एवं आवास व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं को देखते हुये सभी अतिथियों एवं नागरिकों ने इस महान मानवीय संवेदनाओं से प्रेरित प्रकल्प की प्रशंसा की। लोकार्पण पश्चात् एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल के स्थापना दिवस का शुभारंभ किया गया। जिसमें विद्यालय के बच्चों द्वारा सभी अतिथियों को तिलक, बुके एवं बेच लगाकर स्वागत किया गया। स्वागत पश्चात् अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वंदन किया गया, वहीं स्व. नितेश कुमार अग्रवाल जी की तस्वीर में माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

विद्यालय के बच्चों द्वारा मंदाकिनी के गीत के धुन में स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई। साथ ही ग्रामीण अंचल ग्राम बताती से आये बालिकाओं द्वारा सुआ नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। विद्यालय के चेयरमेन पीएमजेएफ लायन डॉ.राजकुमार अग्रवाल ने अपने स्वागत उद्बोधन में विद्यालय के अब

तक की उपलब्धियों, सुविधाओं और आगामी कार्य योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि हमारे विद्यालय को पूर्व में सेवन स्टार रेंक मिला हुआ है, साथ ही जिला स्तरीय स्वच्छता रैकिंग में हम प्रथम हैं और प्रथम विजेता अवार्ड से नवाजा गया है। हमारे विद्यालय के बच्चों को किक बॉक्सिंग और तबला वादन प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त है। इस वर्ष एनसीसी एवं स्काउट गाईड की कक्षाऐ भी प्रारंभ की जा रही हैं। इस सत्र कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में हमारे विद्यालय का परीक्षा परिणाम 99 प्रतिशत रहा। उन्होंने कहा कि हर वर्ष हमारे विद्यालय के स्थापना दिवस में आसपास के समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों को सम्मानित किया जाता है, ताकि इनके सेवा कार्यो से और भी लोग प्रभावित हों और समाज में जरूरतमंद लोगों तक सेवा पहुंच सके।

स्वागत उद्बोधन पश्चात् पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल द्वारा कोरबा जिले के प्रसिद्ध समाजसेवियों, डॉक्टरों, शिक्षकों एवं लायन सदस्यों का सम्मान किया गया, वहीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में छ.ग.राज्य में डी.ए.व्ही.पब्लिक स्कूल एस.ई.सी.एल.छाल रायगढ़ की होनहार छात्रा कु.आद्यशा परिदा को प्रथम स्थान प्राप्ति पर उसे लायंस गौरव सम्मान से नवाजा गया और उन्हें प्रेरणा भी बताई गई, इसी विद्यालय के प्राचार्य के.डी.शर्मा को भी विद्यालय की गौरवशाली उपलब्धि पर सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह के प्रथम सत्र के बाद विद्यालय के बच्चों द्वारा राम तेरी गंगा मैली के सुप्रसिद्ध गीत सुन साहिबा सुन प्यार की धुन और एक राधा एक मीरा गीत में नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसमें फिल्म अभिनेत्री ने भी बच्चों के साथ मिलकर अपनी सहभागिता दी। इसके बाद पुनः सम्मान समारोह के द्वितीय सत्र में ग्रामीण अंचलों के सरपंच, पंच, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अन्य समाजसेवियों का भी सम्मान किया गया। साथ ही बसंत पंचमी के अवसर पर विद्यालय के नव प्रवेशित बच्चों को गणवेश एवं पठन सामाग्री का वितरण किया गया। विद्यालय की ओर से ग्रामीण अंचल के 4 चयनित महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान की गई, ताकि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल सके और महिलाएं आत्मनिर्भर एवं खुशहाल जीवन की ओर पायदान रख सकें। बरपाली तहसील कार्यालय के लिए आर.ओ.वाटर कूलर का निःशुल्क वितरण अतिथियों के हाथों किया गया, ताकि राजस्व कार्यों के लिए तहसील कार्यालय बरपाली पहुंचने वाले हितग्राहियों एवं स्टॉफ को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। विद्यालय की टीचर कु. वैदिका केंवट को सत्र में बेहतरीन कार्य के लिए स्टॉफ आफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सम्मान पश्चात् फिल्म अभिनेत्री मंदाकिनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पीएमजेएफ लायन डॉ.राजकुमार अग्रवाल के सेवा कार्यो एवं उपलब्धियों की जितनी प्रशंसा की जाये कम है। आज का यह आयोजन और पीड़ित मानवता के लिए ऐसी उम्दा सोच अद्वितीय है। शिक्षा के क्षेत्र में ऐसा बेहतर विद्यालय, वह भी ग्रामीण क्षेत्र में, अद्वितीय और बेमिसाल है। लायंस डिस्ट्रिक्ट के प्रथम वाईस डि.गवर्नर पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब भी मैं इस विद्यालय में आता हूं, कुछ ना कुछ नयापन देखने को मिलता है। इस साल एनकेएम लायंस अनाथालय एवं बाल विकास केन्द्र के लोकार्पण से अनाथ बच्चों के लिए एक बेहतर भविष्य की राह आसान होगी और वे बच्चे भी अपना सपना पूरा कर सकेंगे, जो कोरोना एवं अन्य आपदा में अपने माता-पिता खो चुके हैं। स्कूल की ओर से अनाथ बच्चों के 12वीं तक की शिक्षा के साथ साथ उनके रहने, खाने और रहने की भी व्यवस्था की जा रही है। ऐसी व्यवस्था साधारण नहीं हो सकती और असाधारण कार्य को सिर्फ पीएमजेएफ लायन डॉ.राजकुमार अग्रवाल ही पूरा कर सकते हैं। असंभव कार्य को संभव बनाना

महिला सशक्तिकरण : एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल/ लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल ने चार ग्रामीण महिलाओं को सिलाई मशीन भेंट की।

प्रेरणा : लायंस गौरव अवार्ड से सम्मानित हुईं छत्तीसगढ़ की सबसे होनहार छात्रा आद्यशा परिदा, कहा - इंजीनियर बनकर राष्ट्र निर्माण में निभाऊंगी भूमिका

सीबीएसई 10वीं बोर्ड में छत्तीसगढ़ की सबसे होनहार छात्रा डीएव्ही पब्लिक स्कूल एसईसीएल छाल में अध्ययनरत कुमारी आद्यशा परिदा को लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा के स्थापना दिवस पर अभिनेत्री मंदाकिनी सहित उपस्थित अतिथियों ने लायंस गौरव अवार्ड से सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ की बेटी आद्यशा ने 10वीं बोर्ड में 99.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर पूरे प्रदेश में अव्वल रही, वहीं पूरे देश में आद्यशा का स्थान द्वितीय रहा। इस उपलब्धि पर पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित हुआ। आद्यशा ने बताया कि वह 11वीं में गणित विषय लेकर आगे की पढ़ाई करेंगी और इंजीनियर बनकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएंगी।

लायन अग्रवाल से ही सीखा जा सकता है, इसके लिए वो लायंस डिस्ट्रिक्ट में भी जाने जाते हैं। हितानंद अग्रवाल ने कहा कि स्कूल को एक मंदिर कहा जाता है और एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल मंदिर ही नहीं सेवा का भी मंदिर है। आज इस सम्मान समारोह में जिन विभूतियों का सम्मान किया गया है, वे बधाई के पात्र हैं। श्रीमती रेणुका राठिया ने विद्यालय प्रबंधन को इस आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुये बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को विद्यालय की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती शोभा सोनी द्वारा आभार व्यक्त करते हुये कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

उक्त कार्यक्रम में लायन एमडी माखिजा, केदारनाथ अग्रवाल, समाजसेवी सी के श्रीवास्तव, ज्योति वर्मा, डॉ. आशीष अग्रवाल, डॉ. खान, अनिता सिंघल, सरपंच सरिता कंवर, वीरू यादव, गोपाल केडिया, देवीलाल केडिया, संतोष चौरसिया, धरमलाल लहरे, वरिष्ठ अधिवक्ता श्यामल मल्लिक, वरिष्ठ पत्रकार नौशाद खान, नीलम पोडवार, लायन आशीष कुमार अग्रवाल, खुशबू अग्रवाल, विकास अग्रवाल, भगवान दास अग्रवाल, कमल मित्तल, प्रेमलता अग्रवाल, आरती अग्रवाल, लायन विष्णु गुप्ता, लायन निषेश वर्मा, लायन ओमप्रकाश अग्रवाल (अध्यक्ष, लायंस क्लब रायगढ़ मिडटाउन), लायन अमित मोदी (सचिव, लायंस क्लब रायगढ़ मिडटाउन), लायन राजेन्द्र तिवारी, लायन डॉ.व्ही.के.अग्रवाल, लायन संतोष अग्रवाल, लायन मनोज गुप्ता, लायन दर्शन अग्रवाल, लायन सुजाता अग्रवाल, लायन गोपाल केडिया, लायन प्रीतपाल बी.एस.बाली, लायन मोहन सिंह छाबड़ा, लायन आशीष अग्रवाल सहित अन्य क्लबों के लायन सदस्य, गणमान्य नागरिक-प्रिय कुलदीप, उमा बंसल, बलराम विश्वकर्मा, आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. नागेंद्र शर्मा, आर के अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, आभा दुबे, सुधा झा सहित हजारों की संख्या में अभिभावकगण एवं छात्र सहित ग्रामवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम की भव्यता देखकर उपस्थित अतिथि प्रफूल्लित हुए।

राजनीति

वैश्विक संकट में भारत के पास अवसर ही अवसर

ईरान-अमेरिका के बीच समझौते पर संशय बरकरार है। अमेरिका बार-बार धमकी दे रहा है, ईरान को मिटा दूंगा। उधर ईरान झुकने को तैयार नहीं दिख रहा है और अमेरिका को वह भी खुली चुनौति दे रहा है और बार-बार यह दोहरा रहा है कि समझौता की जरूरत अमेरिका को है, न कि ईरान को। ईरान अपनी शर्तों पर युद्ध विराम चाहता है, जबकि अमेरिका होर्मूज का नियंत्रण चाहता है, पूरी युरेनियम चाहता है। दोनों अपनी-अपनी शर्त पर अड़े हुए हैं और युद्ध विराम का रास्ता कठिन होता जा रहा है, ऐसे में वैश्विक संकट गहराता जा रहा है। छोटे देशों को चीन पर ज्यादा भरोसा नहीं है, ऐसी स्थिति में कच्चे पेट्रोलियम पदार्थों के लिए ये छोटे देश भारत की ओर रूख कर रहे हैं। भारत वह देश है जो मित्रता दिखाने वाले देशों के प्रति अपेक्षा से ज्यादा सहयोग करता है और संकट में खड़ा दिखता है। आज नेपाल, श्रीलंका, मालदीव और बंग्लादेश भारत को ज्यादा विश्वसनीय मान रहे हैं और चीन से दूरी बना रहे हैं। भारत संकट के समय इन देशों को कई बार समय पर ईंधन की आपूर्ति करता रहा है और अब भी जब मीडिल ईस्ट युद्ध पर विराम पर संदेह है और पूरे एशिया में ईंधन पर महंगाई की मार छोटे देश झेल रहे हैं, ऐसे समय में भी छोटे देश भारत की ओर विश्वास का रूख बढ़ा रहे हैं। भारत के पास भी विश्वास अर्जित करने का अवसर है और प्रधानमंत्री मोदी ने संकेत दिया है कि संकट के समय हमारे मित्र देशों के प्रति हम अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। इस वैश्विक संकट ने उन देशों को सबक भी दे गया कि खाड़ी देशों में ही निर्भर रहना भविष्य के लिए घातक है और भारत ने आत्मनिर्भर भारत के लिए कई कदम उठाया है और वैश्विक संकट में भी भारत की अर्थव्यवस्था डिगा नहीं। प्रधानमंत्री मोदी की क्षमता को भारत ने देखा है, विश्व देख रहा है।

-संपादक

सोशल मीडिया पर छाया रकुल प्रीत का ट्रेडिशनल लुक

स्वस्थ बचपन से सशक्त छत्तीसगढ़

विशेष लेख:सुश्री नमिता पाण्डेय (पोषण सलाहकार, यूनिसेफ़)

आज का बचपन एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। बच्चों में तेजी से बढ़ता मोटापा अब केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली का स्पष्ट संकेत बन चुका है। घंटों मोबाइल और टीवी स्क्रीन के सामने बिताया जाने वाला समय, खेल के मैदानों से बढ़ती दूरी और जंक फूड की सहज उपलब्धता इन तीनों ने मिलकर बच्चों की स्वाभाविक सक्रियता को सीमित कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप और थायरॉइड विकार जैसी बीमारियाँ कम उम्र में ही सामने आने लगी हैं। साथ ही आत्मविश्वास में कमी, सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियाँ भी तेजी से उभर रही हैं।

छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के बेहतर स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। पोषण, स्वास्थ्य और जन-जागरूकता से जुड़े अभियानों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे हर परिवार तक सही जानकारी और सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु पोषण को केंद्र में रखते हुए अनेक पहलें संचालित की जा रही हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि बच्चों का समग्र विकास केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि परिवार और समाज की संयुक्त भागीदारी से ही संभव है। स्थानीय खाद्य परंपराओं को पुनर्जीवित करना, माताओं को पोषण के प्रति जागरूक करना और बच्चों के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

पोषण से आगे: समग्र विकास की जिम्मेदारी

पारंपरिक आहार: समाधान की मजबूत नींव

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2026 इस बात को पुनः रेखांकित करता है कि स्वस्थ जीवन का रास्ता हमारी अपनी रसोई से होकर गुजरता है। रागी, बाजरा, ज्वार, कोदो-कुटकी जैसे मिलेट्स पोषण का समृद्ध स्रोत हैं। ये न केवल बच्चों के वजन को संतुलित रखने में सहायक हैं, बल्कि पाचन को बेहतर बनाते हैं और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करते हैं। रागी की इडली, बाजरे का उपमा और कोदो की खिचड़ी जैसे व्यंजन स्वाद और स्वास्थ्य का संतुलित संगम प्रस्तुत करते हैं।

बच्चों का स्वास्थ्य केवल भोजन तक सीमित नहीं है। यह एक साझा जिम्मेदारी है, जिसमें परिवार, विद्यालय और समाज सभी की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। जब माता-पिता बच्चों की थाली में विविधता और संतुलन सुनिश्चित करते हैं, शिक्षक पढ़ाई के साथ खेल को भी समान महत्व देते हैं और समाज बच्चों को उनके वजन से नहीं बल्कि उनकी ऊर्जा और जिज्ञासा से आंकता है, तभी स्वस्थ और आत्मविश्वासी पीढ़ी का निर्माण संभव होता है।

पहले 1,000 दिन: भविष्य की नींव

वैज्ञानिक दृष्टि से गर्भधारण से लेकर बच्चे के दो वर्ष की आयु तक का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यही वह अवधि है, जब बच्चे के मस्तिष्क का सबसे तेज विकास होता है। जन्म के समय जहां मस्तिष्क का विकास लगभग 30 प्रतिशत होता है, वहीं पाँच वर्ष की

आयु तक यह 90 प्रतिशत तक पहुँच जाता है। इस दौरान माँ का पोषण, परिवार का स्नेह और सकारात्मक वातावरण बच्चे के मानसिक और भावनात्मक विकास की मजबूत आधारशिला तैयार करते हैं।

7 स्टार भोजन थाली:संतुलित पोषण का सरल मॉडल

'7 स्टार भोजन थाली' एक ऐसी अवधारणा है, जो संतुलित और विविध आहार के महत्व को रेखांकित करती है। इसमें विभिन्न पोषक तत्वों अतिरिक्त कैलोरी प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, तरल पदार्थ और विटामिन की पर्याप्त मात्रा का समावेश कर माँ और बच्चे दोनों के लिए आवश्यक पोषण सुनिश्चित किया जाता है। यह पहल केवल एक योजना नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण का आधार है। कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याएँ न केवल माँ को प्रभावित करती हैं, बल्कि बच्चे के जन्म के समय वजन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मस्तिष्क विकास पर भी गहरा असर डालती हैं।

आदतों में बदलाव से बनेगा बेहतर कल

पोषण पखवाड़ा हमें यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य कोई सीमित समय का अभियान नहीं, बल्कि एक निरंतर विकसित होने वाली संस्कृति है। यह संस्कृति हर घर की रसोई, हर स्कूल के टिफिन और हर मोहल्ले के खेल मैदान में विकसित होती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी प्राथमिकताओं को बदलें... मोबाइल से मैदान की ओर, जंक फूड से पारंपरिक आहार की ओर और लापरवाही से जागरूकता की ओर, क्योंकि स्वस्थ बचपन ही सशक्त छत्तीसगढ़ और समृद्ध भारत की सबसे मजबूत नींव है।

जीवन को रोचक बनाने बच्चों को प्रेरित करें

बच्चों को बचपन से ही प्रेरित करें-जीवन बहुत सुंदर है, इसे प्रकृति और पुस्तकों के बीच बिताएं, न कि मोबाईल में समय बर्बाद करें।
प्यारे बच्चों! सीजीबीएसई विद्यालयों में गर्मी का अवकाश प्रारंभ हो चुका है और अब सीधे रिजल्ट लेने विद्यालय जाना पड़ेगा। गर्मी के अवकाश को मोबाईल में बर्बाद न करें और सुबह खेल के मैदान में अपना बचपन बिताएं और जो भी खेल आता है या जिस खेल में रूचि है, वह खेलकर अपने अवकाश को इंज्वाय करें। खेल-खेल में हमें एकता और अनुशासन की भी सीख मिलती है और मैदान में हमारी प्रतिभाएं उभरती हैं।
बचपन की यादों को प्रकृति के साथ समेटें, यही यादें युवा और पारिवारिक बोझ बढ़ने के बाद आपको सुकून देंगी। सुबह और शाम जब तेज धूप धूमिल होगी और हीटवेव कम होगा तो मैदान में खेलने जा सकते हैं। खेल मैदान में ही खेला जाता है, न कि मोबाईल के स्क्रीन में। मैदान में खेलेंगे तो प्रकृति से जुड़ाव भी होगा।

गांव की ओर करें रूख

अधिकांश बच्चे पापा की नौकरी या व्यवसाय के कारण शहर की ओर रूख करते हैं और पढ़ाई के कारण 10 माह अनिवार्य रूप से शहर में ही रहना पड़ता है। गर्मी का अवकाश एक तरह से इंज्वाय करने का अवसर होता है। खेलने से जहां शरीर में एनर्जी आती है, वहीं प्रकृति से जुड़ाव के कारण मिट्टी की महक और कीमत का एहसास भी होता है। जिन घरों में आधुनिक सुख-सुविधाएं होती है, ऐसे घरों का बचपन घर में एसी, घर से निकलकर कार मे एसी की जो आदत बन रही है, ऐसा बचपन भविष्य के लिए घातक भी है, इसलिए बच्चों को कुछ समय खेल मैदान में भेजें, ताकि बच्चों को मध्यम और गरीब तबके के बच्चों के रहन-सहन का एहसास होगा। शहर में रहने वाले बच्चे, अपने माता-पिता से कहें- वह गांव चलें, जहां पर दादा-दादी, नाना-नानी रहते हैं। जब बच्चे दादा-दादी, नाना-नानी के घर जाएंगे, तो रिश्तों के महत्व को समझेंगे और गांव के प्राकृतिक सौंदर्य को भी निहारेंगे। शहर में रह रहे बच्चों की परवरिश शहरी संस्कृति के हिसाब से होती है, गांव जाएंगे तो गांव की संस्कृति और परंपरा से रू ब रू होने का अवसर मिलेगा और भारत की संस्कृति, गांव की संस्कृति, परिवार की संस्कृति से वाकिफ होंगे। पारिवारिक एकता आज के भौतिक युग में जरूरी है और एकल परिवार की बढ़ती संख्या से बुजूर्ग असहाय और एकाकी जीवन जीने को मजबूर हैं। बच्चों को बुजूर्गों के प्रति प्रेम सिखाएं, यह तभी संभव है, जब माता-पिता अपने माता-पिता के साथ रिश्तों को प्रगाढ़ बनाएंगे।

मोबाईल का स्क्रीन प्रतिभा बढ़ाने घातक

आज बच्चे मोबाईल स्क्रीन पर अधिक समय बिताते हैं, जो बच्चों के कैरियर और स्वर्णीम भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है, इसलिए अभिभावक अपने बच्चों पर नजर रखें और यह देखें कि बच्चा कहीं अधिकांश समय मोबाईल स्क्रीन पर तो समय नहीं बिता रहा है, यदि ऐसा है, तो बचपन से ही अच्छी आदत डालें और गर्मी की छुट्टी में भी छोटे-छोटे खेलों के साथ कुछ विषय के पुस्तक, कुछ रोचक पुस्तकें, कुछ नाना-नानी की कहानियों के पुस्तक, कुछ धार्मिक पुस्तकों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें। ऐसा करने से बचपन अनुशासित, संस्कारित और पुस्तक प्रेम के प्रति झुकेगा और युवावस्था में आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

पं. नेहरू के विचारों के साथ आजाद भारत की 'दिशा पर परिसंवाद'

राजनीति शब्द की उत्पत्ति -

इसके संबंध में विद्वानों का कथन है कि 'मानव जब पहली बार एक समूह में संगठित हुआ और उसके सदस्यों में से किसी पहले सदस्य ने भूमि की ओर देख कर यह कहा कि यह भूमि मेरी है' उसके इस कथन के पश्चात ही 'राजनीति' शब्द की उत्पत्ति हुई, परंतु इस शब्द में भेद है। चूंकि धरती पर मानव जो कुछ करता है, उसमें 'अर्थ' की प्रधानता होती है। अर्थ पर नियंत्रण हेतु राज्य की उत्पत्ति होती है और राज्य अर्थ पर नियंत्रण प्राप्त कर नीति निर्धारण द्वारा उसे व्यवस्थित करता है। इस अर्थ- व्यवस्था पर प्रभुता करने के कारण उसे राज - नीति की संज्ञा दी जाती है, इसलिए आपस में जुड़े होने के कारण अर्थ - व्यवस्था और राजनीति एक - दूसरे के पर्याय हैं।

यह सिद्ध है कि मानव एक सामाजिक प्राणी है। मानव अस्तित्व के आरंभ में वह स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अपनी समानता में एक समूह या झुंड के रूप में इकठ्ठा हुआ, उसकी प्रकृति अथवा उसकी सहज वृत्ति के अनुसार अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति एवं भंडारण की ओर वह प्रवृत्त हुआ। ऐसी सहज वृत्ति प्रकृति के कुछ अन्य प्राणियों में भी पाई जाती है। चींटी और मधुमक्खी इसके सरल उदाहरण हैं। कुछ पशु भी अधिक भोजन पानी ग्रहण कर विपरीत काल के लिए अपनी काया में सुरक्षित करते हैं, परंतु मानव समूह में भंडारण की प्रक्रिया में अधिक भंडारण, कम परिश्रम और असीमित उपभोग की लालसा के अधीन मानव या मानवों के छोटे समूह ने संपूर्ण मानव जाति के मध्य पक्षपातपूर्ण प्रतिस्पर्धा में विजयी होकर इसके स्थायित्व एवं निरंतरता हेतु किया गया दावा ही 'राजनीति' शब्द की उत्पत्ति का मूल कारक है। इस तरह भूमि पर अधिकार के दृष्टान्त द्वारा विद्वानों ने मानव या उसके समूह के दावे को राजनीति शब्द के साथ परिभाषित किया।

राजनीति समाज और राज्य दोनों में प्रारंभ से विद्यमान है। समाज की राजनीति को साधने में उसके साधकों के साधन में 'धर्म' की प्रधानता पाई जाती है। धर्म के गुणों में प्रधानता उसके ह्थ Argument गुण की होती है। सरलता से प्राप्त होने वाले इस गुण की प्रबल शक्ति को साधने के पश्चात इसके साधक इस शक्ति के द्वारा समाज के साथ - साथ राज्य की राजनीति को भी साधने का प्रयास करते हैं। इसके साथ ही राज्य के शासक भी अपनी शक्ति के असीमित संवर्धन हेतु इस 'धर्म शक्ति' का आवश्यकतानुसार प्रयोग करते हुए पाए जाते हैं।

नेतृत्वकर्ता मानव या उसके समूह के दावे में संपूर्ण समाज की स्वीकृति का दावा भी शामिल था। चूंकि वह संपूर्ण समाज को श्रम एवं भंडारण के कार्यों में पक्षपातपूर्ण प्रतिस्पर्धा में पराजित कर किया गया दावा था, इसलिए उसके इस दावे में स्वप्रदत्त अधिकारों के साथ बेईमानी अथवा प्रायोजित भ्रष्टाचार शामिल था। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि मानव की आवश्यकताओं ने उसे समाज दिया, समाज में सबल और निर्बल मानवों की पहचान हुई। सबल मानव और उसके समूह ने अल्पश्रम, सर्वोत्तम भाग एवं भंडारण के एकाधिकार हेतु दावा किया। समाज और उसकी भाषा के परिष्कृत होने पर उस दावे को राजनीति शब्द की संज्ञा दी गई और भंडारण का स्थान 'धन' ने ले लिया द्य और यह सब कुछ मानव समूह के नेतृत्वकर्ताओं ने 'तत्कालीन प्रासंगिक बुद्धि' के द्वारा संभव किया।

शोषक और शोषित -

इस प्रथम विजय के उपरांत नेतृत्वकर्ताओं ने प्राप्त शक्तियों एवं अधिकारों को अपनी आने वाली पीढ़ियों को सुदृढ़ और सुरक्षित उत्तराधिकारी बनाने हेतु सामाजिक प्रतिष्ठा की रचना की और प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम और समाज बहिरभूत समुदाय के निर्माण के साथ अवरोही के अनुसार अधिकार प्राप्त जाति - वर्ग को सामाजिक प्रतिष्ठायुक्त धन-संपदा, शक्तियों और अधिकारों का सौभाग्य एवं इस सौभाग्य से वंचित जाति-वर्ग को उनका दुर्भाग्य बंद दीवारों के रूप में आने वाली पीढ़ियों को विरासत के रूप में हस्तांतरण की व्यवस्था को स्थापित किया गया।

डॉ. बी. आर. आंबेडकर - ANNIHILATION OF CASTE - (जाति का विनाश)

1.जाति सिर्फ़ श्रम का विभाजन नहीं है, यह श्रमिकों का भी विभाजन है।

2.आर्थिक सुधार के लिए सामाजिक सुधार क्यों आवश्यक है ?

3. राजनीतिक सुधार के लिए सामाजिक सुधार क्यों जरूरी है ?

बुद्धि अगर स्वार्थ से मुक्त हो, तो हमें उसकी प्रभुता मानने में कोई आपत्ति नहीं, समाजवाद का यही आदर्श है। हम साधु - महात्माओं के सामने इसीलिए सिर झुकाते हैं कि उनमें त्याग का बल है, इसी तरह हम बुद्धि के हाथ में अधिकार भी देना चाहते हैं, सम्मान भी, नेतृत्व भी लेकिन संपत्ति किसी तरह नहीं, बुद्धि का अधिकार और सम्मान व्यक्ति के साथ चला जाता है, लेकिन उसकी संपत्ति विष बोने के लिए उसके बाद और भी प्रबल हो जाती है। बुद्धि के बगैर किसी समाज का संचालन नहीं हो सकता, हम केवल इस बिच्छू का डंक तोड़ देना चाहते हैं - मुन्शी प्रेमचन्द

बुद्धि के आधार पर नए ST, SC और OBC वर्ग की रचना आज भी जारी है।

महात्मा गांधी का स्वतंत्रता आंदोलन -

इसी व्यवस्था ने एक बड़े वंचित समुदाय को जन्म दिया। इस सामाजिक गैर बराबरी की व्यवस्था से भारतीय समाज कमजोर हुआ और विदेशी आक्रमणों का सामना करने में विफल हुआ। विदेशी हुकूमत ने अपने आर्थिक हितों के लिए अर्थ - व्यवस्था पर तो पूरा नियंत्रण रखा किंतु सामाजिक गैर बराबरी के जिम्मेदारों को समाज पर नियंत्रण रखने की पूरी आज़ादी प्रदान की। गांधी यह जानते थे कि सामाजिक गैर बराबरी ने ही विदेशी हुकूमत को भारतवर्ष में राज्य कायम करने की शक्ति प्रदान की और इस शक्ति का अंत करने हेतु भारतीय समाज में समानता और बराबरी कायम करना अनिवार्य है।

इसलिए गांधी का स्वतंत्रता आंदोलन अंग्रेजों से नहीं था, परंतु बंद दीवारों में कैद वंचित समुदायों के दुर्भाग्य को सत्य और अहिंसा के साधन के द्वारा समाप्त करने हेतु सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ-साथ आर्थिक न्याय और आज़ादी के समान बंटवारे के लिए था और इसी गम्भीर चिंतन-मनन एवं परिसंवाद के पश्चात देश इस विचारधारा के लिए सहमत और एकजुट हुआ कि भारत सामाजिक प्रतिष्ठा के समानता और बराबरी से बंटवारे के लिए आज़ाद होगा। अंग्रेजों का भारत के शासन को छोड़कर चले जाना, इस आंदोलन का एक सह-उत्पाद था।

समाजवाद -

आजाद भारत की सामाजिक संरचना के अनुरूप पं. नेहरू ने पूंजीवाद और साम्यवाद के अतिरेकों का इंकार करते हुए गौतम बुद्ध की मध्यम प्रतिपदा और महात्मा गांधी के ग्राम स्वावलंबन के विचारों से सहमती रखते हुए समाजवाद के सिद्धांतों का प्रतिपादन किया और मिश्रित अर्थ-व्यवस्था की परिकल्पना को विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा साकार किया। चूंकि रक्षा, परिवहन, ऊर्जा, सिंचाई एवं भारी मशीनरी, कुटीर उद्योगों में संभव नहीं है। भारत की आवश्यकताओं हेतु बड़े उद्योग अनिवार्य हैं। प्रकृति के नियमों के अनुसार भी पूंजीपति और मजदूर के अधिकार समान होते हैं। छोटे-बड़े उद्योगों, कुटीर उद्योगों, कुशल कामगारों, सीमान्त कृषकों एवं मजदूरों के बीच सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक न्याय और आज़ादी के अधिकारों के समानता और बराबरी के साथ बंटवारे के लिए उन्होंने कार्य किया।

वैज्ञानिक स्वभाव -

(पं. नेहरू के विरोध का मूल कारण)

पं. नेहरू यह जानते थे कि वैज्ञानिक स्वभाव परिसंवाद को जन्म देता है। परिसंवाद लोकतंत्र को, लोकतंत्र के द्वारा जनता सर्वोच्च शक्ति प्राप्त कर समाज में सामाजिक प्रतिष्ठा आर्थिक न्याय और आर्थिक आज़ादी की समानता और बराबरी के साथ बंटवारा कर सकती है। वे यह भी जानते थे कि लोकतंत्र लौकिक और धर्म अलौकिक विषय है। लौकिक विषय परिसंवाद पर विकास करते हैं और 'धर्म' परिसंवाद की समाप्ति पर प्रारंभ होता है, कार्य करता है और बना रहता है। दोनों का मिश्रण परिसंवाद को समाप्त कर देता है और उसकी समाप्ति लोकतंत्र का विनाश कर देती है। यह मिश्रण आग और बारूद के मेल से भी अधिक ख़तरनाक होता है, जो समाज, सभ्यता, संस्कृति और देश का विध्वंस कर देता है। वह यह चाहते थे कि जैसे जल, स्थल से अलग है। रात, दिन से खजुराहो के मंदिरों में सांसारिकता मंदिर की बाहरी दीवारों में है और अध्यात्म मंदिर के भीतर। उसी तरह अध्यात्म और सांसारिकता का अभ्यास एक-दूसरे से उतना ही भिन्न रहे, जिससे कि इन दोनों ही विषयों में किसी भी तरह का विकार उत्पन्न न हो सके।

चूंकि यह सत्य है कि राजनीति और धर्म का मिश्रण एक-दूसरे को अपवित्र कर देता है। अतः यह आवश्यक है कि दोनों आपस के नियंत्रण से पूरी तरह मुक्त हों ताकि उनकी शुचिता कायम रहे।

'हमें अपने राष्ट्रीय लक्ष्य के संबंध में कोई भ्रांति नहीं रहनी चाहिए। हमारा उद्देश्य एक शक्तिशाली, स्वतंत्र और जनतंत्रीय भारत है, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान स्थान और विकास व सेवा के लिए समान अवसर प्राप्त होगा, जिसमें आजकल की धन और सामाजिक मर्यादा-संबंधी असमानताएं नहीं रह जाएंगी और जहां हमारी प्रमुख प्रेरणाएँ रचनात्मक एवं सहयोगात्मक प्रयत्नों में लगी रहेंगी। ऐसे भारत में सांप्रदायिकता, पृथकवाद, अलग रहने की नीति, छुआछूत, हठधर्मी और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण का कोई स्थान नहीं होगा। उसमें पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता होगी और धर्म को राष्ट्रीय जीवन के राजनैतिक और आर्थिक पहलुओं में हस्तक्षेप नहीं करने दिया जाएगा' - पं. जवाहरलाल नेहरू

पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कॉंग्रेस के साथ प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से जुड़े हुए सभी नेताओं की आज़ादी के उद्देश्यों को लेकर 'दिशा' एक समान थी। उनमें दिशा-भ्रम कतई नहीं था।

लेखक
तुषारकांत राबिंसन
पाली, जिला- कोरबा
यह लेख लेखक के स्वयं के विचार हैं

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कोरबा पुलिस की सर्जिकल स्ट्राईक

जिलेभर में व्यापक अभियान, 569 प्रकरण दर्ज

154 चालकों के लाइसेंस निलंबन हेतु आरटीओ को प्रेषित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिले में सड़क सुरक्षा एवं आमजन के जीवन की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कोरबा पुलिस द्वारा ' सजग कोरबा - सतर्क कोरबा' अभियान के अंतर्गत लगातार सघन जांच एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।जिले के समस्त थाना, चौकी, सहायता केंद्र एवं यातायात शाखा द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत दिनांक 01 जनवरी 2026 से 24 अप्रैल 2026 तक धारा 185 मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध कुल 569 प्रकरणों में सख्त कार्यवाही की गई है।

कार्यवाही के दौरान जनसुरक्षा के प्रति गंभीर खतरा उत्पन्न करने वाले 154 चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन हेतु प्रकरण संबंधित आरटीओ कार्यालय को प्रेषित किए गए हैं।कोरबा पुलिस स्पष्ट रूप से चेतावनी देती है कि नशे की हालत में वाहन चलाना एक गंभीर अपराध है, जो किसी भी समय जानलेवा दुर्घटना का कारण बन सकता है। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

कोरबा पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

देशी कट्टा एवं जिंदा कारतूस के साथ बदमाश गिरफ्तार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में थाना/चौकी स्तर पर सतत कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में पुलिस सहायता केंद्र जटगा, थाना कटघोरा क्षेत्रांतर्गत एक आरोपी के विरुद्ध गंभीर अपराध दर्ज कर त्वरित कार्यवाही करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया है। प्रार्थिया द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर आरोपी द्वारा गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी एवं मारपीट किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। आरोपी का नाम राजेश दुबे पिता स्वर्गीय देवी शरण उम्र 43 साल निवासी हुसैन थाना मुस्करा जिला हमीरपुर उत्तर प्रदेश हाल मुकाम बांधपारा गाड़ाफादा जग्गा कटघोरा कोरबा है।

जांच के दौरान आरोपी को पकड़कर पूछताछ की गई, जिसमें उसके द्वारा अपराध स्वीकार किया गया। आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा एवं जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। उक्त बरामदगी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के प्रावधानों के तहत भी वैधानिक कार्यवाही की गई है।

आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

कोरबा पुलिस द्वारा इस प्रकार की त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही से स्पष्ट है कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

आमजन से अपील है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे समय रहते उचित वैधानिक कार्यवाही की जा सके।

सीसी फुटेज से खुलासा

तेज रफ्तार बस ने ली अखबार वितरक की जान, देरी के बाद दर्ज हुआ मामला

अखबार बांटने निकला युवक सड़क हादसे का शिकार, 9 दिन बाद दर्ज हुई एफ आई आर कबीर बस के खिलाफ

रतनपुर (दिव्य आकाश)।

बिलासपुर सुबह-सुबह साइकिल पर अखबार बांटने निकला 21 वर्षीय विकास दास अपने परिवार का सहारा बने निकला था लेकिन एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी जिंदगी छीन ली। हादसे के नो दिन बाद एफ आई आर दर्द होने से जांच रफ्तार पकड़ ली है पुलिस ने सीसी फुटेज के आधार पर कबीर लिखी बस की पहचान कर ली है जिसमें अब मामले में ठोस कार्रवाई की उम्मीद है

रतनपुर थाने क्षेत्र के ग्राम मोहतराेई निवासी विकास दास 14 अप्रैल की सुबह नेशनल हाईवे 130 पर अखबार बांट रहा था तभी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गया था। पुलिस के अनुसार सीसी फुटेज गवाह के बयान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर या स्पष्ट हुआ की कोरबा से बिलासपुर आ रही पीले नारंगी (बस क्रमांक सीजी 15 ईसी5782) जिस पर कबीर लिखा था कबीर बस के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए विकास दास को टक्कर मारी इस आधार पर पुलिस ने धारा 106 (1) और मोटर व्हील एक्ट की धारा 184 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है

अब देखना यह है कि आगे की कार्रवाई कितनी रफ्तार से पुलिस आगे बढ़ती है?

1 क्योंकि अपराध दर्ज करने में 9 दिन का समय लगा था?

2 परिजनों को खुद फोटो और लोकेशन के जरिए घटना स्थल साबित करना पड़ा जबकि केस डायरी को लेकर विभागीय स्तर पर खींचातानी चलती रही।

मंदाकिनी के हाथों तुलसी TVS में NTORQ 150 की भव्य लांचिंग

कोरबा (दिव्य आकाश)।

औद्योगिक नगरी कोरबा के ऑटोमोबाइल सेक्टर में आज उस वक्त उत्साह का सैलाब उमड़ पड़ा, जब शहर के प्रतिष्ठित तुलसी TVS शोरूम में नई NTORQ 150 का ग्रैंड लॉन्च किया गया। इस ऐतिहासिक पल की गवाह बनीं बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मंदाकिनी, जिन्होंने रिबन काटकर नई गाड़ी को जनता के सामने पेश किया।

बॉलीवुड ग्लैमर के बीच लॉन्च हुई 'रफ्तार'

'राम तेरी गंगा मैली' फिल्म से रातों-रात सुपरस्टार बनीं मंदाकिनी को अपने बीच पाकर कोरबा वासी बेहद उत्साहित नजर आए। शोरूम परिसर में सुबह से ही प्रशंसकों और ऑटोमोबाइल प्रेमियों की भारी भीड़ जुटने लगी थी। अभिनेत्री ने न केवल गाड़ी के फीचर्स की सराहना की, बल्कि वहां मौजूद प्रशंसकों के साथ सेल्फी खिंचवाकर उनका दिन बना दिया।

ग्राहकों के लिए आधुनिक तकनीक की सौगात

इस अवसर पर तुलसी ऑटोमोटिव के डायरेक्टर केदारनाथ अग्रवाल ने मुख्य अतिथि मंदाकिनी का गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान किया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा: 'हमारा लक्ष्य कोरबा के ग्राहकों को हमेशा सबसे आधुनिक और सुरक्षित तकनीक उपलब्ध कराना है। NTORQ 150 इसी दिशा में एक बड़ा कदम है, जो पावर और स्टाइल का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है।'

NTORQ 150 के प्रति दिखा जबरदस्त क्रेज

लॉन्च के तुरंत बाद ग्राहकों में नई NTORQ 150 का अनुभव लेने की होड़ मच गई। युवाओं में इस स्कूटर के स्पोर्टी लुक और एडवांस फीचर्स को लेकर विशेष आकर्षण देखा गया। कार्यक्रम में शहर के कई गणमान्य नागरिक और व्यवसायी भी उपस्थित रहे, जिससे आयोजन की भव्यता और बढ़ गई। इस अवसर पर नौशाद खान, आशीष अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

05 मृत हिस्ट्रीशीटर हटाए गए, 05 को सुधार के आधार पर माफी

माह अंत तक 86 हिस्ट्रीशीट खोलने का लक्ष्य निर्धारित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा पुलिस द्वारा जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं असामाजिक तत्वों पर सतत निगरानी रखने के उद्देश्य से 'सजग कोरबा - सतर्क कोरबा' अभियान के तहत सख्त एवं संगठित कार्यवाही लगातार की जा रही है।

इसी क्रम में अब तक कुल 49 हिस्ट्रीशीट खोली गई हैं, जिनमें 17 गुंडा बदमाश, 31 निगरानी बदमाश तथा 01 गैंग हिस्ट्रीशीट (डीजल चोरी से संबंधित) शामिल हैं, जिन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

नवीन हिस्ट्रीशीटरों का चयन सुनियोजित तरीके से किया गया है, जिसमें पिछले 03 वर्षों में जेल जा चुके आरोपियों के डाटाबेस का विश्लेषण कर ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित किया गया है, जिनके विरुद्ध 02 या उससे अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं एवं उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

निगरानी बदमाश श्रेणी में चोरी, लूट, डकैती एवं अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त आरोपियों को शामिल किया जाता है, जबकि गुंडा बदमाश श्रेणी में ऐसे व्यक्तियों को रखा जाता है, जो शरीर संबंधी अपराध जैसे मारपीट, गंभीर चोट एवं जानलेवा हमले में लिप्त पाए जाते हैं।

प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक हिस्ट्रीशीटर/आरोपी की निगरानी का दायित्व पृथक-पृथक पुलिस कर्मियों को सौंपा गया है, जिससे उनकी गतिविधियों पर निरंतर नजर रखी जा सके और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। इसके अतिरिक्त 37 प्रकरणों में आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर अभिलेख प्राप्त कर लिए गए हैं, जिससे निगरानी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है।

समीक्षा के दौरान 05 हिस्ट्रीशीटरों के मृत पाए जाने पर उन्हें सूची से हटाया गया है, वहीं 05 बदमाशों को आचरण में सुधार पाए जाने के आधार पर निगरानी से मुक्त (माफी बदमाश) किया गया है।

कोरबा पुलिस द्वारा माह के अंत तक कुल 86 हिस्ट्रीशीट खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिस पर तीव्र गति से कार्यवाही जारी है।

इस प्रकार की सतत एवं योजनाबद्ध कार्रवाई से जिले में अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा जा रहा है।

अंत में आमजन से अपील की जाती है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे समय रहते आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

भागवत बोले- भारत विश्वगुरु जरूर बनेगा, कोई संदेह नहीं

नागपुर, एजेंसी।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और इस पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर संशय में रहते थे। इसे असंभव मानते थे।

लेकिन आज वह मंदिर सबके सामने साक्षात खड़ा है। ठीक उसी प्रकार, भारत का विश्वगुरु के रूप में पुनरुत्थान भी पूरी तरह निश्चित है और इस यात्रा को रोका नहीं जा सकता। भागवत ने यह बात नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट परिसर में बनने वाले भारत दुर्गा शक्ति स्थल मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में कही।

इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, स्वामी मित्रानंदजी महाराज, साध्वी ऋतंभरा और धीरेन्द्र शास्त्री सहित कई धार्मिक नेता भी मौजूद थे।

नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट में हुए कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत कई धार्मिक नेता मौजूद रहे।

भारत के भविष्य पर संदेह न करें- भागवत

आरएसएस चीफ ने कहा- देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह न रखें और साहस व आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जीएं। उनके मुताबिक, अगर लोग अपने संकल्प के अनुसार कदम-दर-कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत और नैतिक रूप से सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा- भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जीएं और इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत होगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बन गया। उसी प्रकार भारत का विश्वगुरु बनना निश्चित है।

भारत वेंचर्स शिखर सम्मेलन में स्टार्टअप ने पेश किए नए समाधान

जयपुर, एजेंसी।

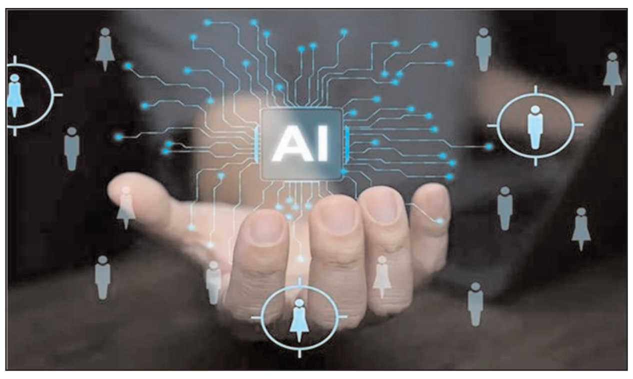

जयपुर में आयोजित भारत वेंचर्स शिखर सम्मेलन में शनिवार को स्टार्टअप ने सूचना एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा, बैंकिंग, वित्त और परिवहन क्षेत्रों में नए समाधान पेश किए। कार्यक्रम में 20 से अधिक स्टार्टअप ने निवेशकों के सामने अपने नवाचार के बारे में बताया। कार्यक्रम में बैंकिंग और वित्त से जुड़े स्टार्टअप ने फिनटेक मंच, डिजिटल भुगतान समाधान, ब्लॉकचेन-आधारित सुरक्षा प्रणालियों और सूक्ष्म वित्त मॉडल पर ध्यान आकर्षित किया। इनका मकसद दक्षता को और अधिक बढ़ाना है।

परिवहन क्षेत्र पर केंद्रित स्टार्टअप ने विद्युत गतिशीलता, कृत्रिम मेधा आधारित यातायात प्रबंधन और हरित परिवहन में नवाचार के बारे में बताया, जिन्हें भविष्य-उन्मुख शहरी ढांचे के लिए अहम माना जा रहा है। भारत वेंचर शिखर सम्मेलन के दौरान फेडरेशन ऑफ यूनिकॉर्न इनोवेटिव स्टार्टअप्स एंड इंडस्ट्रीज (एफयूआईएसआई) के पदाधिकारियों का स्थापना समारोह भी हुआ, जिसमें शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पोद्दार समूह और एफयूआईएसआई के चेयरमैन आनंद पोद्दार ने कहा कि संस्था का लक्ष्य 10,000 स्टार्टअप को सलाह, अनुदान और ज्ञान-साझाकरण पहलों के माध्यम से सहयोग देना है। संगठन का ध्यान नवीकरणीय ऊर्जा, मीडिया तकनीक, हरित अर्थव्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों पर है। भारत वेंचर के चेयरमैन डॉ. संजय खंडेलवाल ने कहा, ''स्टार्टअप भारत की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख इंजन है। एफयूआईएसआई के माध्यम से निवेश, मार्गदर्शन और तकनीकी समर्थन देकर युवाओं के विचारों को वास्तविकता में बदलने का प्रयास किया जा रहा है।''

UN की चेतावनी: दुनिया के 10 सबसे भूखग्रस्त देशों में पाकिस्तान, दाने-दाने को तरस जाएंगे पाकिस्तानी

न्यूयार्क, एजेंसी।

संयुक्त राष्ट्र की 2026 की 'ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस' के अनुसार पाकिस्तान दुनिया के उन 10 देशों में शामिल है, जहां खाद्य संकट सबसे गंभीर रूप ले चुका है। रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तान में करीब 1.1 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें पर्याप्त खाना नहीं मिल पा रहा है और वे भुखमरी के कगार पर हैं।इनमें से लगभग 93 लाख लोग 'क्राइसिस' स्तर पर हैं, जबकि 17 लाख लोग 'इमरजेंसी' स्थिति में हैं। ये दोनों स्थितियां अकाल से ठीक पहले की सबसे खतरनाक अवस्था मानी जाती हैं, जहां लोगों के लिए रोज का खाना जुटाना भी संघर्ष बन जाता है।

इस संकट के पीछे कई कारण हैं। 2025 में आई भारी बाढ़ और खराब मौसम ने लाखों लोगों की फसलें बर्बाद कर दीं, जिससे खाने की आपूर्ति पर असर पड़ा। इसके अलावा महंगाई बढ़ने से आम लोगों के लिए राशन खरीदना मुश्किल हो गया है। साथ ही कुपोषण, साफ पानी की कमी और कमजोर स्वास्थ्य सुविधाएं भी स्थिति को और गंभीर बना रही हैं। रिपोर्ट यह भी बताती है कि यह समस्या सिर्फ पाकिस्तान तक सीमित नहीं है।रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के साथ ये देश भी गंभीर संकट में हैं: अफगानिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, नाइजीरिया, सूडान, सीरिया, यमन, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो। इनमें से एक-तिहाई प्रभावित लोग सिर्फ 3 देशों सूडान, नाइजीरिया और कांगो में हैं। सूडान, नाइजीरिया और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो जैसे देशों में हालात बेहद खराब हैं।

लायंस गौरव सम्मान से सम्मानित प्रतिभाएं

समाजिक सेवा के लिए चंद्रकिशोर श्रीवास्तव

शिक्षा के लिए डीएव्ही छाल के प्राचार्य श्री शर्मा

महिला सशक्तिकरण एवं उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए नव भारत के ब्युरोचीफ नौशाद खान

उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए जी न्यूज एमपी/सीजी के ब्युरोचीफ नीलम पोडवार

सामाजिक उत्थान के लिए देवीलाल केडिया

उत्कृष्ट वकालत के लिए श्यामल मल्लिक

सामाजिक सेवा के लिए केदारनाथ अग्रवाल

सामाजिक सेवा के लिए ज्योति वर्मा

सामाजिक सेवा के लिए आभा दुबे

सामाजिक सेवा के लिए सुधा झा

आयुर्वेद चिकित्सा के लिए डॉ. नागेन्द्र शर्मा

शिक्षा जागृति के लिए बलराम विश्वकर्मा

लायनिज्म के लिए पीडिजी एमडी माखिजा

लायनिज्म के लिए पीडिजी बीएस बाली

एनकेएम लायंस अनाथालय एवं बाल विकास केन्द्र का लोकार्पण

कोरबा/मड़वारानी (दिव्य आकाश)।

गत 19 अप्रैल को नितेश कुमार लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) के 10वें स्थापना दिवस समारोह में फिल्म अभिनेत्री मंदाकिनी के मुख्य आतिथ्य में स्कूल परिसर में ही एनकेएम लायंस अनाथालय एवं बाल विकास केन्द्र का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर अन्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रेणुका राठिया, एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल, बांकीमोंगरा नगर पालिका उपाध्यक्ष गायत्री कंवर, प्रथम वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजीएफ लायन रिपुदमन पुसरी, द्वितीय वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन पवन मलिक, लायन दिग्गज पीडिजी एमडी माखिजा, डॉ. वी के अग्रवाल, बी एस बाली, राजेन्द्र तिवारी, आशीष अग्रवाल, मोहनसिंह छाबड़ा, ज्योति वर्मा, सुधा झा, आभा दुबे, लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के अध्यक्ष लायन सुरेंद्र डनसेना, सचिव लायन दर्शन अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के चेयरमेन पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने की।

लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि कोरोना काल में प्राकृतिक आपदा सहित अन्य आपदाओं में अनाथ हुए बच्चों के लिए कक्षा 12वीं तक की शिक्षा का जिम्मा विद्यालय प्रबंधन द्वारा उठाया जाएगा, ताकि ये अनाथ बच्चे भी सामान्य बच्चों की तरह अपना भविष्य सुधार सकें। वर्तमान में तीन बच्चों को बाल विकास केन्द्र में रखा जाएगा और उनकी सही देखभाल करते हुए उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान की जाएगी।

अखबार वितरक संघ ने मंदाकिनी का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि मंदाकिनी ने कहा-अनाथालय एवं बाल विकास केन्द्र तथा शिक्षा का ऐसे अद्भूत कार्य में सभी का सहयोग जरूरी

मंच पर कार्यक्रम को सम्बोधित करती हुईं फिल्म अभिनेत्री मंदाकिनी ने कहा कि शिक्षा का इतना बड़ा क्षेत्र, वह भी ग्रामीण क्षेत्र में, काफी प्रशंसनीय है। मुझे आज इस क्षेत्र में आने का सौभाग्य मिला और ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा और सेवा का ऐसा कार्य भी हो रहा है, जानकर काफी प्रसन्नता हुई। ऐसे अच्छे कार्यों के लिए सभी का सहयोग जरूरी है और इस तरह के कार्य से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। राजकुमार अग्रवाल जी बहुत बड़ी सोच रखते हैं और सामाज के लिए जो कर रहे हैं, वह प्रेरणादायी है।

यहां जब भी आया, नया देखने को मिला -लायन पुसरी

द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ लायंस क्लब्स डि 3233सी के प्रथम वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी ने कहा कि यह राजकुमार अग्रवाल जी ही कर सकते हैं, जो असंभव को संभव कर दिखाते हैं। यहां जब भी आता हूं, नया देखता हूं और बड़ी प्रसन्नता होती है। आज यहां अनाथालय एवं बाल विकास केन्द्र... सेवा का नया प्रकल्प प्रारंभ हुआ, इससे कुछ बच्चों के जीवन में नई रोशनी आएगी और हम सबको प्रेरणा मिलेगी, ताकि हम भी समाज को कुछ दे सकें।

यह परिसर शिक्षा और सेवा का मंदिर बन गया- बाली

द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ लायंस क्लब्स डि 3233सी के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन बी एस बाली ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि हमने लायनवाद के कई उदाहरण डिस्ट्रिक्ट में देखे हैं, लेकिन राजकुमार अग्रवाल एक ऐसे व्यक्तित्व हैं, जो असंभव को भी संभव कर दिखाते हैं, उनके जुनून और जज्बे को सलाम करते हैं, जो शिक्षा के इतने बड़े प्रकल्प को क्षेत्र में स्थापित किया। इनके क्या कहने, आज अनाथालय एवं बाल विकास केन्द्र जैसे सेवा प्रकल्प भी अमल में आया।

लायंस गौरव सम्मान से सम्मानित होने वाली विभूतियां

केदारनाथ अग्रवाल, सी के श्रीवास्तव, ज्योति वर्मा, डॉ. आशीष अग्रवाल, डॉ. खान, अनिता सिंघल, अशोकाबाई कंवर, सरिता कंवर, गोपाल केडिया, देवीलाल केडिया, वीरू यादव, माँ सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा के प्रबंधक नमन पाण्डेय, शिव वैष्णव, पत्रकार नौशाद खान, नीलम पोडवार, शिक्षक संतोष चौरसिया, धरमलाल लहरे, अधिवक्ता श्यामल मल्लिक, प्रिया कुलदीप, उमा बंसल, बलराम विश्वकर्मा, एम डी माखिजा, बसंत मिश्रा, डॉ. व्ही के अग्रवाल, प्रीतपाल बी एस बाली, राजेन्द्र तिवारी, शैलेश अग्रवाल, कैलाश नाथ गुप्ता, मोहन सिंह छाबड़ा, निशेष वर्मा, अजय धनोदिया, सजन अग्रवाल, सुजाता अग्रवाल, विष्णु गुप्ता, आशीष अग्रवाल, नागेन्द्र शर्मा, आर के अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, अमित मोदी, कमल अग्रवाल, आभा दुबे, सुधा झा सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साहिका, नर्स, एएनएम सहित अन्य प्रतिभाएं शामिल हैं।

लायंस गौरव सम्मान से सम्मानित प्रतिभाएं

लायनिज्म के लिए पीडिजी राजेन्द्र तिवारी

लायनिज्म के लिए रीजन चेयरमेन कैलाश नाथ

लायनिज्म के लिए मोहनसिंह छाबड़ा

लायनिज्म के लिए अजय धनोदिया

लायंस पब्लिक स्कूल ट्रस्ट खरहरकुड़ा की नई अध्यक्ष बनीं खुशबू अग्रवाल, आरती अग्रवाल सचिव

लायंस पब्लिक स्कूल मड़वारानी ट्रस्ट के चेयरमेन पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने मंच पर ट्रस्ट के नए अध्यक्ष एवं सचिव की घोषणा की। उन्होंने खुशबू अग्रवाल को नई चेयरमेन नियुक्त किया, वहीं आरती अग्रवाल को सचिव की अहम् जिम्मेदारी सौंपी गई।

स्व. नितेश कुमार के जन्मोत्सव पर काटा गया केक:श्रद्धांजलि भी

सुंदर सी कविताएं

शाख पर इक फूल भी है

है समय प्रतिकूल माना
पर समय अनुकूल भी है।
शाख पर इक फूल भी है॥
घन तिमिर में इक दिये की
टिमटिमाहट भी बहुत है

एक सूने द्वार पर
बेजान आहट भी बहुत है
लाख भंवरें हों नदी में
पर कहीं पर कूल भी है।
शाख पर इक फूल भी है॥
विरह-पल है पर इसी में
एक मीठा गान भी है
मरुस्थलों में रेत भी है
और नखलिस्तान भी है
साथ में ठंडी हवा के
मानता हूं धूल भी है।
शाख पर इक फूल भी है॥

है परम सौभाग्य अपना
अधर पर यह प्यास तो है
है मिलन माना अनिश्चित
पर मिलन की आस तो है
प्यार इक वरदान भी है
प्यार माना भूल भी है।
शाख पर इक फूल भी है॥
संकलित

हिंदी की सुन्दर कविताएँ

बरबस स्मृति में आ जाती हैं
पढ़ी कभी की कुछ कविताएँ,
कुछ पंक्ति भी पढ़ लेते तो,
सारे कष्ट, थकान मिट जाए।
कुछ गाकर, कुछ तुमसे सुनकर
बीती फिर हम आज बिताएं,
इतनी मीठी क्यों लगती हैं,
हिंदी की सुन्दर कविताएँ।

शक्कर से मीठी है हिन्दी,
उससे बनी मिठाई कविता,
मन भावों के हिम से उद्गत
बहती विविध विधा की सरिता।
जीवन लगता अर्थपूर्ण तब
पढ़ें, सुनें या लिखते जाएं,
इतनी मीठी क्यों लगती हैं,
हिंदी की सुन्दर कविताएँ।

प्रेम सुधा उत्कर्ष है कविता,
विविध वर्ग विमर्श है कविता।
ज्ञान भक्ति पथ कर आलोकित
जीवन का आदर्श है कविता।
प्रतिपल लगता मूल्यवान ज्यों
प्रेमी को स्वरचित सुनाएं।
इतनी मीठी क्यों लगती हैं,
हिंदी की सुन्दर कविताएँ।

धन्यवाद कृती कवियों को
सुन्दर साहित्य निधान दिए।
हम जैसे पथ किंकर प्यासे
अमृत रस का कुछ पान किये।
जीवन का सौंदर्य काव्य है
बरबस यह मन ही में आए,
इतनी मीठी क्यों लगती हैं,
हिंदी की सुन्दर कविताएँ।

मन के अंदर गुप्त भाव को
अपनी भाषा ही पढ़ सकती।
अनगिन देश भ्रमण करने पर
मातृभूमि ही अच्छी लगती।
निज भाषा को पढ़ें लिखें नित
कोशिश कर समृद्ध बनाएं।
इतनी मीठी क्यों लगती हैं,
हिंदी की सुन्दर कविताएँ।
आशुतोष कुमार श्रीवास्तव
उप महाप्रबंधक
(एनटीपीसी दादरी)

मिलन यामिनी

चाँदनी फैली गगन में, चाह मन में।

दिवस में सबके लिए बस एक जग है
रात में हर एक की दुनिया अलग है,
कल्पना करने लगी अब राह मन में;
चाँदनी फैली गगन में, चाह मन में।

भूमि के उर तप्त करता चंद्र शीतल
व्योम की छाती जुड़ाती रश्मि कोमल,
किंतु भरतीं भवनाएँ दाह मन में;
चाँदनी फैली गगन में, चाह मन में।

कुछ अँधेरा, कुछ उजाला, क्या समा है!
कुछ करो, इस चाँदनी में सब क्षमा है;
किंतु बैठा मैं सँजोए आह मन में;
चाँदनी फैली गगन में, चाह मन में।

चाँद निखरा, चंद्रिका निखरी हुई है,
भूमि से आकाश तक बिखरी हुई है,
काश मैं भी यों बिखर सकता भूवन में;
चाँदनी फैली गगन में, चाह मन में।
हरिवंश राय बच्चन

टीआरपी में बड़ा उलटफेर
ये रिश्ता क्या कहलाता है की धमाकेदार वापसी

पहले नंबर पर कायम 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2'

Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2 इस हफ्ते भी नंबर वन की कुर्सी पर बना हुआ है। शो में चल रहा फैमिली ड्रामा और करण-नंदिनी ट्रैक दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। यही वजह है कि इसकी रेटिंग बढ़कर 2.0 तक पहुंच गई है। एजेंसी।

टीवी इंडस्ट्री की इस हफ्ते की टीआरपी रिपोर्ट ने बड़ा सरप्राइज दिया है। BARC India द्वारा जारी वीक 15 की रेटिंग में कई शोज की किस्मत बदलती नजर आई। जहां कुछ सीरियल्स ने अपनी पकड़ मजबूत की है, वहीं कुछ की लोकप्रियता में गिरावट देखने को मिली है। खास बात यह है कि लंबे समय से पिछड़ रहा एक शो अब दमदार वापसी करता दिख रहा है।

अनुपमा की कुर्सी पर खतरा

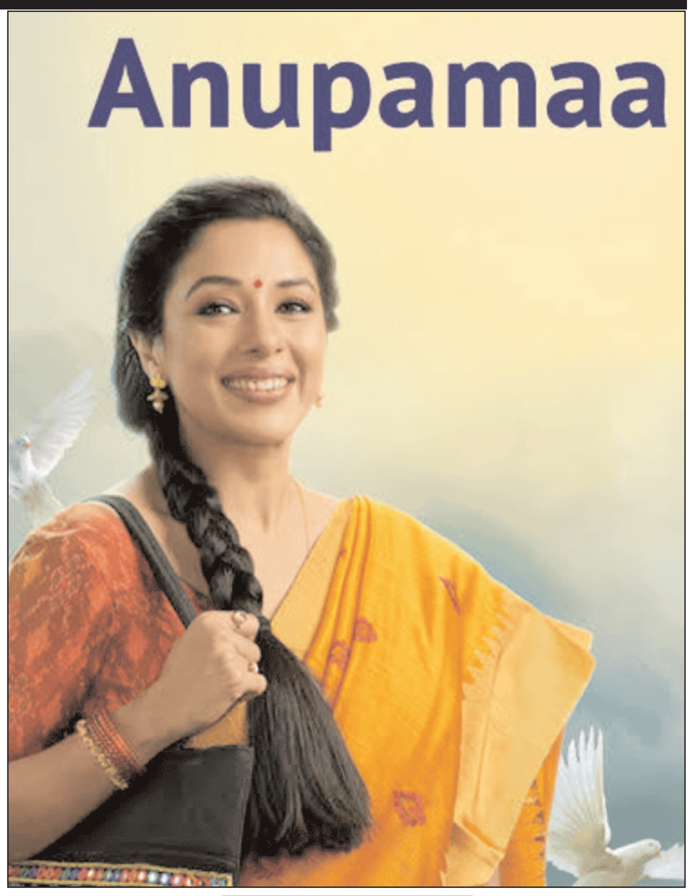

दूसरे पायदान पर 'वसुधा' का कब्जा

Vasudha लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए दूसरे नंबर पर टिका हुआ है। शो की कहानी और किरदार दर्शकों को बांधे हुए हैं। इस हफ्ते इसे 1.8 की रेटिंग मिली है और मेकर्स इसे जल्द नंबर वन बनाने की कोशिश में जुटे हैं।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की दमदार वापसी

लंबे समय से टॉप 5 से बाहर चल रहा Yeh Rishta Kya Kehlata Hai अब फिर से रफ्तार पकड़ता नजर आ रहा है। इस हफ्ते शो ने शानदार छलांग लगाई और सीधे तीसरे स्थान पर पहुंच गया। 1.8 की रेटिंग के साथ यह शो एक बार फिर चर्चा में है।

'अनुपमा' की गिरती लोकप्रियता

एक समय टीआरपी चार्ट पर राज करने वाला Anupamaa अब कमजोर होता दिख रहा है। कहानी में बार-बार आ रहे बदलाव दर्शकों को खास पसंद नहीं आ रहे। हालांकि शो अभी भी टॉप 5 में है, लेकिन इस हफ्ते इसकी रेटिंग 1.8 रही।

टॉप 5 में बना 'क्योंकि रिश्तों के भी रूप बदलते हैं'

Kyunki Rishton Ke Bhi Roop Badalte Hain ने भी अपनी जगह टॉप 5 में बरकरार रखी है। 1.7 की रेटिंग के साथ यह शो स्थिर प्रदर्शन कर रहा है और दर्शकों की पसंद बना हुआ है।

कभी 10 लोगों संग शेयर किया कमरा, आज लग्जरी लाइफ जीते हैं मनोज बाजपेयी

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता मनोज बाजपेयी आज अपनी शानदार एक्टिंग के साथ-साथ प्रेरणादायक जीवन कहानी के लिए भी जाने जाते हैं। बिहार के छोटे से गांव बेलवा से निकलकर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। उनका सफर संघर्षों से भरा रहा, लेकिन आज वे सफलता की ऊंचाइयों पर हैं।

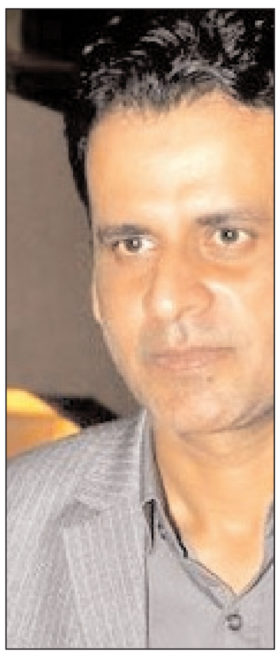

संघर्षों से भरा रहा शुरुआती दौर

मुंबई पहुंचने के बाद मनोज बाजपेयी का जीवन आसान नहीं था। शुरुआती दिनों में वे एक चॉल में रहते थे, जहां उन्हें कई लोगों के साथ कमरा साझा करना पड़ता था। ऑडिशन के दौरान कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि एक बार उनकी फोटो तक कूड़ेदान में फेंक दी गई थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

'सत्या' से बदली किस्मत

मनोज बाजपेयी ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म Bandit Queen से की, लेकिन असली पहचान उन्हें Satya से मिली। इस फिल्म में उनके अभिनय ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया और इंडस्ट्री में मजबूत जगह दिलाई।

करोड़ों की संपत्ति के मालिक

आज मनोज बाजपेयी एक लग्जरी लाइफ जीते हैं। उनकी नेटवर्थ करीब 170 करोड़ रुपये के आसपास है। मुंबई के अंधेरी में उनका शानदार घर है, जहां वे अपने परिवार के साथ रहते हैं। इसके अलावा बिहार में भी उनकी प्रॉपर्टी है।

लग्जरी गाड़ियों का शानदार कलेक्शन

मनोज बाजपेयी के पास कई महंगी गाड़ियां हैं, जिनमें टोयोटा लैंड क्रूजर प्राडो, मर्सिडीज-बेंज GLS400d, बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज, टोयोटा फॉर्च्यूनर और महिंद्रा स्कॉर्पियो शामिल हैं। उनका यह कलेक्शन उनकी सफलता की कहानी बयां करता है।

कमाई के कई स्त्रोत

फिल्मों के अलावा मनोज बाजपेयी वेब सीरीज, ब्रांड एंडोर्समेंट और रियल एस्टेट निवेश के जरिए भी अच्छी कमाई करते हैं। अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में एक मजबूत मुकाम हासिल किया है। एजेंसी।

साल 2026 में होगा सीक्वल्स का धमाका:'दृश्यम 3' से लेकर 'आवारापन 2' तक, जानें कब रिलीज होंगी ये फिल्में

अगर आप बॉलीवुड फिल्मों के दीवाने हैं, तो साल 2026 आपके लिए खुशियों का माहौल लेकर आ रहा है। इस साल बॉक्स ऑफिस पर कई सुपरहिट फिल्मों के अगले भाग सीक्वल रिलीज होने जा रहे हैं। अजय देवगन से लेकर इमरान हाशमी तक, कई बड़े सितारे अपनी पुरानी फिल्मों की यादें ताजा करने लौट रहे हैं। आइए डालते हैं एक नजर उन फिल्मों पर जिनका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कॉकटेल 2 (19 जून 2026)

साल 2012 की सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' का दूसरा भाग जून में रिलीज होगा। इस बार फिल्म में शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन की नई तिकड़ी नजर आएगी। होमी अदजानिया के निर्देशन में बन रही इस फिल्म से फैंस को काफी उम्मीदें हैं।

धमाल 4 (3 जुलाई 2026)

हंसी का डोज देने के लिए अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख और जावेद जाफरी की मशहूर टोली एक बार फिर लौट रही है। 'धमाल 4' जुलाई में रिलीज होगी। इस बार फिल्म में रवि किशन और ईशा गुप्ता जैसे सितारे भी कॉमेडी का तड़का लगाते दिखेंगे।

खोसला का घोसला 2 (28 अगस्त 2026)

मिडिल क्लास की मुश्किलों को हंसी-मजाक के साथ दिखाने वाली फिल्म 'खोसला का घोसला' का दूसरा भाग अगस्त के आखिर में रिलीज होगा। इस फिल्म में अनुपम खेर और बोमन ईरानी एक बार फिर अपनी जबरदस्त एक्टिंग से सबको खूब हंसाएंगे।

दृश्यम 3
(2 अक्टूबर 2026)

विजय सालगांवकर और उनका परिवार एक बार फिर अपनी रक्षा के लिए लौट रहा है। अजय देवगन की सबसे चर्चित सीरीज 'दृश्यम' का तीसरा भाग गांधी जयंती के मौके पर रिलीज होगा। माना जा रहा है कि यह इस सस्पेंस भरी कहानी का आखिरी और सबसे रोमांचक हिस्सा होगा।

आवारापन 2
14 अगस्त 2026

इमरान हाशमी के फैंस के लिए स्वतंत्रता दिवस का हफ्ता बहुत खास होगा। करीब 19 साल बाद 'आवारापन' का सीक्वल आ रहा है। यह फिल्म अपनी पहली पार्ट की तरह ही इमोशनल कहानी और बेहतरीन गानों से दर्शकों का दिल जीतने की कोशिश करेगी।

मटका किंग

पूरी दुनिया में नंबर 1 बनी विजय वर्मा की वेब सीरिज, अमिताभ बच्चन और प्रियंका चोपड़ा भी हुए मुरीद

विजय वर्मा की नई वेब सीरीज 'मटका किंग' इस समय हर तरफ छाई हुई है। इस सीरीज में विजय वर्मा की एक्टिंग इतनी दमदार है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। आमिर खान, विक्की कौशल और करण जौहर जैसे बड़े सितारों ने तो पहले ही इस शो को जबरदस्त बताया था, लेकिन अब इस लिस्ट में बॉलीवुड के 'शहंशाह' अमिताभ बच्चन ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा का नाम भी जुड़ गया है। आइए आपको बताते हैं कि इन सुपरस्टार्स ने 'मटका किंग' को लेकर क्या कहा है और कैसे इसकी तारीफ की है।

अमिताभ बच्चन ने दीं शुभकामनाएं

अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया (एक्स हैंडल) पर 'मटका किंग' का ट्रेलर शेयर किया। उन्होंने टीम को बधाई देते हुए लिखा, मेरी शुभकामनाएं हमेशा आपके साथ हैं।

क्या है 'मटका किंग' की कहानी

यह कहानी हमें 1960 के दशक की पुरानी मुंबई में ले जाती है। विजय वर्मा ने इसमें 'बृज भट्टी' नाम के एक चालाक आदमी का रोल किया है, जो रुई (कपास) का छोटा सा व्यापार करता है। वह समाज में इज्जत और नाम कमाना चाहता है। एक छोटे से आइडिया से शुरू हुई यह कहानी कैसे पूरे शहर में फैल जाती है और कैसे इसमें ताकत और पैसे का खेल शुरू होता है, यही इस सीरीज में बहुत ही रोमांचक तरीके से दिखाया गया है। इसे मशहूर डायरेक्टर नागराज मंजुले ने बनाया है।

प्रियंका चोपड़ा और राजकुमार हिरानी भी हुए एक्साइटेड

अमिताभ बच्चन के बाद अब प्रियंका चोपड़ा ने भी 'मटका किंग' की टीम को जीत की बधाई दी है। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर शो का पोस्टर शेयर करते हुए पूरी टीम को शाबाशी दी। इतना ही नहीं, मशहूर डायरेक्टर राजकुमार हिरानी ने भी इस पर अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसी कहानी है जिसे सुनते हुए हम सब बड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे इस शो को देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं।

दुनिया भर में बज रहा है डंका

विजय वर्मा का यह जादू सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है। 'मटका किंग' इस समय भारत और दुबई (UAE) दोनों देशों में नंबर 1 पर चल रही है। सबसे बड़ी और गर्व की बात यह है कि पूरी दुनिया की 'टॉप 10' सीरीज की लिस्ट में यह इकलौती भारतीय सीरीज है, जो 8वें नंबर पर अपनी जगह बनाए हुए है।

बालको ने फायर सर्विस सप्ताह के माध्यम से अग्नि सुरक्षा जागरूकता को दिया बढ़ावा

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

24 अप्रैल 2026 वेदांता समूह कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने 'सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित अस्पताल और अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज' थीम के तहत राष्ट्रीय फायर सर्विस सप्ताह का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य अग्नि सुरक्षा जागरूकता, आपातकालीन तैयारी और घटनाओं की रोकथाम को मजबूत करना था। इसमें कर्मचारियों, व्यापारिक साझेदारों, स्कूली छात्रों और समुदाय के सदस्यों सहित 1100 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

सप्ताह भर चले इस आयोजन में क्विज, चित्रकला और स्लोगन प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियों को अग्नि सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। इसके साथ ही, बालको ने सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए, जिनमें लाइव फायर सेफ्टी डेमो और नुक्कड़ नाटक शामिल थे, ताकि विभिन्न हितधारकों के बीच सुरक्षा-प्रथम दृष्टिकोण को और मजबूत किया जा सके।

अभियान का समापन विभिन्न विभागों के उन कर्मचारियों और टीमों को सम्मानित कर किया गया, जिन्होंने प्लांट परिसर में अग्नि सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस आयोजन में कोरबा क्षेत्र की अन्य औद्योगिक इकाइयों जैसे एनटीपीसी लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया, जो क्षेत्रीय सुरक्षा तैयारियों के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

एनटीपीसी कोरबा के सीआईएसएफ फायर विंग के सहायक कमांडेंट शिवेंद्र कुमार ने कहा कि बालको की फायर सेफ्टी टीम ने बार-बार आपात स्थितियों में उत्कृष्ट दक्षता और संयम का परिचय दिया है। कोरबा की नागरिक प्रशासनिक इकाइयों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उन्होंने हर जरूरत के समय महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। समुदाय और स्कूलों को प्रशिक्षण देने की उनकी पहल दूरदर्शी नेतृत्व का उदाहरण है, जो सामूहिक सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। बालको की फायर और सेफ्टी टीम जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रशिक्षण और त्वरित प्रतिक्रिया पर केंद्रित है। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान टीम ने 200 से अधिक आपात स्थितियों में प्रतिक्रिया दी। तेज और प्रभावी आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए क्विक रिस्पॉन्स वाहन की खरीदारी। 5500 से अधिक लोगों को फायर एक्सटिंग्विशर उपयोग, सीपीआर और आपातकालीन प्रतिक्रिया तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। साथ ही प्लांट और आसपास के क्षेत्रों में 100 से अधिक मॉक ड्रिल्स आयोजित कीं। बालको अस्पताल में स्प्रिंकलर सिस्टम स्थापित किया तथा 400 से अधिक मल्टी-सेंसर और उन्नत फायर अलार्म सिस्टम लगाकर सुरक्षा ढांचे को मजबूत किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बालको के फायर विभाग को ग्रो केयर इंडिया द्वारा वित्तीय वर्ष 2026 के लिए मेटल एवं पावर डिवीजन में 'फायर एंड सेफ्टी में उत्कृष्टता' हेतु प्लेटिनम अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जो उनकी उच्च स्तरीय अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन तैयारियों का प्रमाण है।

अग्नि सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी-राजेश कुमार

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि अग्नि सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसके लिए निरंतर सतर्कता और तैयारी आवश्यक है। बालको में हम जागरूकता बढ़ाने, क्षमताओं का निर्माण करने और ऐसी प्रणालियाँ विकसित करने पर जोर दे रहे हैं, जो त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करें। अपने कर्मचारियों और समुदाय के साथ सतत जुड़ाव के माध्यम से हम एक सुरक्षित और सशक्त वातावरण का निर्माण करना चाहते हैं।

युवक की आवश्यकता है
(रिसेप्शनिष्ट)
संपर्क करें -
Snookyard Café
प्रथम मंजिल, अंकिता कॉम्पलेक्स
सुभाष चौक, निहारिका, कोरबा
मो.: 79997-72254
वेतन आकर्षक

औद्योगिक प्रतिष्ठान एवं पावर प्लांट सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें - कुणाल दुदावत

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशन में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों की बैठक आयोजित की गई। अपर कलेक्टर ओंकार यादव ने सक्ती जिले के ग्राम सिंघीतरई में हुई दुर्घटना के मद्देनज़र सभी प्रतिष्ठानों को सतर्क रहने तथा औद्योगिक एवं पावर प्लांट सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कलेक्टर के स्पष्ट निर्देश हैं कि कोरबा एक औद्योगिक जिला है, यहाँ सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए सुरक्षा नियमों के प्रति कठोरता आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि औद्योगिक प्रतिष्ठानों में श्रमिकों की सुरक्षा हेतु निर्धारित मापदंडों के अनुरूप सभी आवश्यक उपकरण एवं मशीनें उपलब्ध और सुचारू रूप से कार्यरत होनी चाहिए। भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो, इसके लिए सभी उद्योग आवश्यक सावधानियाँ एवं सुरक्षा व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें।

अपर कलेक्टर श्री यादव ने निर्देशित किया कि औद्योगिक प्रतिष्ठानों और पावर प्लांट में सुरक्षा संबंधी जो भी कमियाँ हैं, उन्हें तुरंत सुधारें। उन्होंने अग्निशामक यंत्र, फायर अलार्म, मशीनों का उचित संचालन, उपकरणों का रखरखाव, बॉयलर, सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा मापदंड तथा कचरा प्रबंधन आदि के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने दुर्घटना की स्थिति में रेड, ग्रीन और येलो जोन निर्धारित करने का सुझाव दिया। साथ ही आपात स्थिति के दौरान संपर्क किए जाने वाले अधिकारियों, अस्पताल तथा अन्य आवश्यक नंबरों को कार्यस्थल पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं पावर प्लांट में तकनीकी प्रक्रियाओं एवं कार्यों का सतत निरीक्षण अनिवार्य है। वायु प्रदूषणकारी उद्योगों में प्रदूषण नियंत्रण हेतु एएसपी, डस्ट कलेक्शन सिस्टम, फिल्टर, जल छिड़काव व्यवस्था होनी चाहिए। अपर कलेक्टर ने बताया कि कलेक्टर ने वाहन चालकों सहित अन्य जिम्मेदारी निभाने वाले कर्मचारियों की आँखों की जाँच कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। इसके लिए औद्योगिक प्रतिष्ठानों को शिविर लगाकर आँखों एवं अन्य बीमारियों की नियमित जाँच करानी होगी। सभी प्रतिष्ठानों को जल संरक्षण के लिए वाटर स्ट्रक्चर निर्माण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पौधरोपण करने के निर्देश भी दिए गए।

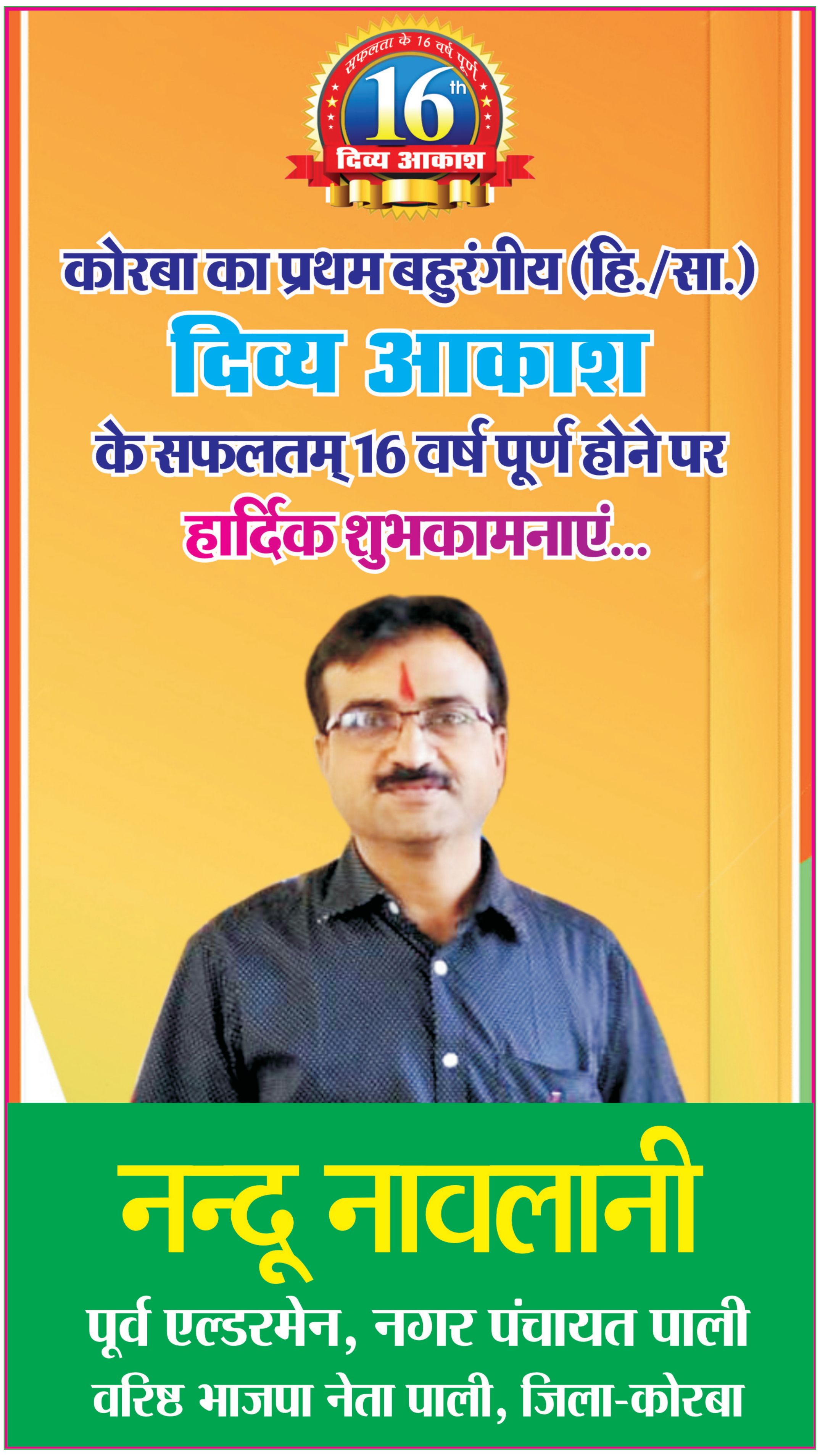

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com